RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●05 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक - 307 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

तेलंगाना भाजपा विधायक ने कहा -

लोकसभा चुनाव में अगर मोदी पीएम नहीं बनेंगे तो हो जाएगा तीसरा विश्व युद्ध

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में लोकसभा चुनाव 2024 की हलचल शुरू हो गई है। बीजेपी के सभी नेता प्रचार में जुट गए हैं। बीजेपी की केंद्रीय समिति ने तेलंगाना के 9 उम्मीदवारों के साथ पहली सूची भी जारी की है। बहरहाल इस बार बीजेपी देश में 400 लोकसभा सीटें जीतने और सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में बीजेपी नेताओं ने मैदानी स्तर पर प्रचार शुरू कर दिया है। मोदी सरकार की ओर से लागू की गई योजनाओं और सुधारों को जन-जन तक पहुंचाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में तेलंगाना के एक विधायक की ओर से दोबारा मोदी सरकार आने की बात कहते हुए की गई टिप्पणी अब चर्चा का विषय बन गई है। आर्मोर बीजेपी विधायक पैदी राकेश रेड्डी ने सनसनीखेज टिप्पणी की।

राकेश रेड्डी का मानना है कि रूस और यूक्रेन जैसे युद्ध के माहौल को दूर करना चाहिए। अगर चीन, मनीला, थाईलैंड और ताइवान जैसे देशों में युद्ध के माहौल को कम करना है तो एक बार फिर मोदी को आना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जरूरत सिर्फ भारत को ही नहीं बल्कि दुनिया के देशों को है। पैदी राकेश रेड्डी ने आगे सनसनीखेज बयान दिया कि अगर मोदी दोबारा पीएम नहीं बने तो दुनिया में उथल-पुथल मच जाएगी और तीसरे विश्व युद्ध की आशंका है। उनका इससे जुड़ा वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बीच राकेश रेड्डी की टिप्पणियों पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग कमेंट कर रहे हैं कि उन्हें विकास की बात करनी चाहिए और वोट मांगना चाहिए।

लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल सरकार का मास्टरस्ट्रोक

18 साल से ऊपर की महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल सरकार ने शहर की महिलाओं को एक बड़ा तोहफा दे दिया है। केजरीवाल सरकार की तरफ से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश किया गया। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने बजट में महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की। इस योजना के तहत दिल्ली की 18 साल से अधिक उम्र की हर महिला को प्रतिमाह 1000 रुपये दिए जाने का प्रावधान है। लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल सरकार की इस योजना को मास्टर स्ट्रोकमाना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि निश्चित रूप से इस योजना का दिल्ली के लोकसभा चुनाव में 7 सीटों पर पड़ेगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव तो चुनाव परिणाम के बाद ही सबके सामने होगा। दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने महिलाओं के लिए पहले ही डीटीसी बसों में यात्रा मुफ्त कर रखी है।

तेलंगाना के आदिलाबाद में पीएम मोदी बोले

140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार है

देशवासियों के लिए बचपन में घर छोड़ा था, इन्हीं के लिए पूरा जीवन खपा दूंगा

56 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया

मैं देशवासियों के लिए जियूंगा, ये सपना लेकर निकला था

मोदी ने कहा- एक सपना लेकर बचपन में घर छोड़ा था। मैं देशवासियों के लिए जियूंगा, ये सपना लेकर निकला था। मेरा पल-पल सिर्फ और सिर्फ आपके लिए होगा। मेरा कोई निजी सपना नहीं होगा, आपके सपने ही मेरा संकल्प होंगे। उन्होंने कहा- जिसका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत, मेरा परिवार। यही भावनाओं का विस्तार लेकर मैं सपनों को संकल्प के साथ सिद्ध करने के लिए आपके लिए जी रहा हूं, जूझ रहा हूं और जूझता रहूंगा।

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तेलंगाना के आदिलाबाद में 56 हजार करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया। इसके बाद उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित किया। 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने परिवारवाद, कांग्रेस, बीआरएस और तेलंगाना के विकास पर बात की।

पीएम ने कहा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडिया गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार है, जिसका कोई नहीं है वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत-मेरा परिवार है।

ये चुनावी सभा नहीं, तेलंगाना के विकास का उत्सव है

पीएम ने कहा- जैसे ही मैंने करोड़ों रुपए की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, कुछ लोगों ने इसे 'चुनावी सभा' कहा है। मैं उन 'विश्लेषकों' को बताना चाहता हूं कि अभी चुनाव की घोषणा भी नहीं हुई है। यह 'चुनावी सभा' नहीं बल्कि तेलंगाना में 'विकास उत्सव' है। विकास परियोजनाओं को 'चुनावी' रणनीति बताने वालों को पिछले 15 दिनों का हिसाब देना चाहिए। पिछले 15 दिनों में हमने 2 आईआईटी, 1 आईआईआईटी, 3 आईआईएम, 1 आईआईएस और 5 एआईआईएमएस का उद्घाटन किया है।

तेलंगाना में तुम भी खाओ, हम भी खाएं की सरकार

पीएम ने कहा- तेलंगाना के लोग जान चुके हैं कि परिवारवादी पार्टियों के चेहरे अलग हो सकते हैं, लेकिन चरित्र एक ही होता है। ये चरित्र क्या है, 2 पक्की चीजें हैं इसमें- एक झूठ और दूसरा लूट। तेलंगाना जैसे टीआरएस की जगह बीआरएस बनने से कुछ नहीं बदला। बीआरएस ने कालेश्वरम जैसे घोटाले किए। दूसरी सरकार आई तो वो उस घोटाले की फाइल दबाकर बैठ गई। तुम भी खाओ और हम भी खाएं। भ्रष्टाचार में डूबे इंडी गठबंधन के नेता घबरा गए हैं।

शाह-नड्डा ने एक्स पर लिखा- मोदी का परिवार

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में सोमवार को आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव के 'परिवार' वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा- इन्हें बताना चाहता हूं कि मेरा देश, 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। पीएम की स्पीच के कुछ देर बाद भाजपा नेताओं ने अपने एक्स प्रोफाइल पर नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिखना शुरू कर दिया। अमित शाह, जेपी नड्डा, स्मृति ईरानी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान और किरेन रिजिजू जैसे बड़े नेताओं ने प्रोफाइल नेम चेंज कर दिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के अहम निर्णय

विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिये 5,180 करोड़ की स्वीकृति

- राज्य राजमार्गों के उन्नयन के लिये 5,812 करोड़ रूपये की परियोजना स्वीकृत

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये 5 हजार 180 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति दी गई। इसमें से 5 हजार 42 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित और 137 करोड़ रूपये से अधिक प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। स्वीकृत की गई परियोजनाओं में पन्ना जिले के विकासखंड शाहनगर में 600 करोड़ रूपए के स्थान पर 775 करोड़ रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इस योजना के बन जाने से क्षेत्र के 577 ग्राम पेयजल सुविधा से भी लाभान्वित होंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में स्वीकृत राशि 261 करोड़ 54 लाख रूपए की लागत से पवई मध्यम सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई थी। सिंचाई क्षेत्र बढ़ने पर वर्ष 2018 में 600 करोड़ रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। वर्ष 2011 में सिंचाई क्षेत्र 9 हजार 952 हेक्टेयर था, जो 2018 में बढ़कर 19 हजार 534 हेक्टेयर हुआ और अब बढ़कर 25 हजार 820 हेक्टेयर हो गया है।

इसी प्रकार बुरहानपुर जिले के विकासखंड बुरहानपुर में सिंचाई क्षेत्र बढ़ने से 144 करोड़ 72 लाख रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। वर्ष 2017 में राशि 104 करोड़ 45 लाख रूपए की लागत से यह सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई थी। तत्समय 2310 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र परियोजना में शामिल था, जो कि अब बढ़कर 3750 हेक्टेयर क्षेत्र हो चुका है। साथ ही सागर जिले की बण्डा तहसील में सिंचित भूमि बढ़ने, डूब क्षेत्र में परिवारों की संख्या में वृद्धि होने से भू-अर्जन की लागत में वृद्धि होने एवं विद्युत खपत में वृद्धि होने से 3 हजार 219 करोड़ 62 लाख करोड़ रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

वर्ष 2022 में राशि 26 करोड़ 54 लाख रूपए की लागत से यह सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई थी। परियोजना में 28 ग्रामों की 4 हजार 646 हेक्टेयर से अधिक भूमि प्रभावित हो रही है और 4 हजार से अधिक परिवारों का विस्थापन होना है। इस योजना के बन जाने से क्षेत्र के 313 ग्राम लाभान्वित होंगे।

इसी तरह सतना जिले के विकासखंड रामनगर में सिंचाई क्षेत्र बढ़ने से 53 करोड़ 69 लाख रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इस योजना के बन जाने से क्षेत्र के 26 ग्राम लाभान्वित होंगे। वर्ष 2018 में राशि 36 करोड़ 17 लाख रूपए की लागत से यह सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई थी।

रामराज्य के पावन मूल्यों को आत्मसात कर विकसित म.प्र. के निर्माण को समर्पित है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

- रामलला के दरबार में दंडवत हुए म.प्र. के सीएम मोहन यादव
- अयोध्या में कैबिनेट के साथ किए भगवान राम के दर्शन; मंदिर में गाई राम धुन
- प्रदेशवासियों से रामलला के दर्शन का किया आह्वान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राम राज्य के पावन मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात कर विकसित और प्रगतिशील मध्यप्रदेश के निर्माण के पवित्र संकल्प के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार समर्पित है। आज की मंत्रि-परिषद की बैठक प्रभु श्रीराम को समर्पित की है, हमारा परम सौभाग्य है कि प्रभु श्रीराम का आर्शीवाद प्राप्त करने के लिए प्रदेश के मंत्री-मंडल को अयोध्या धाम प्रवास का अवसर प्राप्त हुआ। सम्राट विक्रमादित्य और अयोध्या धाम व प्रभु श्रीराम का संबंध कालातीत है, हम सबके रोम-रोम में राम बसे हैं। भगवान श्रीराम के दर्शन और उनका आर्शीवाद प्राप्त कर राज्य सरकार जनकल्याण कार्यों को और विस्तार देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद के सदस्यों के साथ अयोध्या धाम भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले विमानतल पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से भी रामलला के दर्शन का आह्वान किया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने परिवार के साथ अयोध्या में भगवान रामलला के दर्शन किए।

मंदसौर में पेड़ पर लटके मिले पिता-दो बच्चों के शव

7 लोगों पर प्रताड़ना के आरोप; गांव वालों ने आरोपियों के घर में की तोड़फोड़

मंदसौर/गरोठ (एजेंसी)। मंदसौर में एक पिता ने अपने दो बच्चों को फांसी के फंदे पर लटकाकर खुद भी आत्महत्या कर ली। तीनों के शव एक पेड़ पर लटके मिले। पुलिस को वहां एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें गांव के 7 लोगों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं।

इस घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपियों के घर पर पथराव किया, तोड़फोड़ की। साथ ही आगजनी भी की।

मामला जिले के शामगढ़ थाना क्षेत्र के रुंडी गांव में सोमवार सुबह का है। पुलिस के मुताबिक रुंडी गांव का रहने वाले प्रकाश बंजारा (35) ने अपनी बेटी सुमन (13) और बेटे विशाल (10) को पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा दी। इसके बाद खुद भी फंदे पर झूल गया। वह कंबल बेचने का काम करता था।सोमवार सुबह परिजन खेत पर पहुंचे तो तीनों के शव पेड़ से लटके मिले।

अनंत की शादी ने जामनगर के आसमान में लगा दिया 'ट्रैफिक जाम'

तीन दिन में 350 एयरक्राफ्ट ने भरी उड़ानें

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश में इस समय मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी को लेकर खूब चर्चा हो रही है। गुजरात के जाम नगर में हो रहे प्री-वेडिंग फंक्शन ने देश-दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। खास बात है कि पिछले तीन दिन में जामनगर में 350 विमानों ने उड़ान भरी हैं। शादी हो तो ऐसी, जिसके हर इवेंट दिलो दिमाग पर छाने वाले हों। और जब बात है देश के उद्योगपति मुकेश अंबानी की है, तो इनके हर अंदाज ही निराले हैं। मुकेश और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की बिलेनियर प्री-वेडिंग में देश-विदेश से आमंत्रित किए गए मेहमानों को लाखों-करोड़ों रुपये के रिटर्न गिफ्ट दिए गए हैं। वहीं, मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए हवाई जहाज लगाए गए। जो देश-विदेश के विभिन्न शहरों से केवल यहां सेरेमनी में शरीक होने आए वीआईपी मेहमानों को जामनगर तक लाने-ले जाने के लिए शटल सर्विस के रूप में लगाए गए। ये शादी मुंबई में जुलाई में होगी।

मेहमानों के लिए लगाए 20 प्लेन- यह जानकारी देते हुए सूत्रों ने बताया कि मुकेश अंबानी ने अपने छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग में आने वाले मेहमानों के लिए करीब 20 हवाई जहाज लगाए।

- **एयरक्राफ्ट की फीक्वेंट शटल सर्विस-** इस तरह से भारत में मुंबई और हैदराबाद से जामनगर के लिए एयरक्राफ्ट की फीक्वेंट शटल सर्विस मुहैया कराई गई। बेंगलुरू, चेन्नै, दिल्ली और अन्य शहरों से भी एयर शटल सर्विस दी गई। विदेशों में दुबई से जामनगर के लिए हर दिन शटल सर्विस के रूप में एयरक्राफ्ट लगाए गए। दुबई के अलावा लंदन, अमेरिका, सिंगापुर और अन्य देशों से भी एयर शटल चलाई गई। 3 मार्च को सुपर स्टार अमिताभ बच्चन और रजनीकांत जामनगर पहुंचे। इतनी अधिक वीआईपी फ्लाइट को मैनेज करने में एयरपोर्ट डायरेक्टर धनंजय कुमार सिंह और इनकी टीम ने अन्य एयरपोर्ट से बेहतर तालमेल बिठाते हुए यह सारा फ्लाइट मूवमेंट कराया।

इसरो चीफ सोमनाथ को कैंसर, इंटरव्यू में कन्फर्म किया

आदित्य-एल1 लॉन्चिंग के दिन रूटीन चेकअप के लिए गए थे, तभी स्कैन में पता लगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) प्रमुख एस सोमनाथ (60) को कैंसर होने का पता चला है। सोमनाथ ने एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में इस बात को कन्फर्म किया है।

सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग (23 अगस्त) के समय से स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानियां आ रही थीं। हालांकि उस समय कुछ भी क्लियर नहीं था। मुझे भी इसे (कैंसर) लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। इसरो चीफ ने ये भी कहा कि आदित्य-एल1 की लॉन्चिंग (2 सितंबर) के दिन रूटीन चेकअप के गया तो स्कैन में पेट में कैंसर कोशिकाओं में ग्रोथ का पता चला। सोमनाथ का ऑपरेशन हो चुका है। कीमोथेरेपी भी हुई।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 05 मार्च , 2024

मध्य प्रदेश में सीधी और शहडोल लोकसभा क्षेत्र से भाकपा चुनाव लड़ेगी

भोपाल। आगामी लोकसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सीधी और शहडोल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेगी। सीधी लोकसभा क्षेत्र से कॉमरेड संजय नामदेव भाकपा प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।शहडोल लोकसभा क्षेत्र से भाकपा प्रत्याशी की घोषणा शीघ्र ही होगी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश राज्य परिषद की विगत 2 और 3 मार्च को भोपाल में आयोजित बैठक में तत्संबंधी निर्णय लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाकपा के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कॉमरेड अरविन्द श्रीवास्तव ने आगामी लोकसभा चुनावों और सांगठनिक मुद्दों पर एजेंडा प्रस्तुत कर तत्संबंधी निर्णय घोषित किए। बैठक की अध्यक्षता भाकपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने की। इस अवसर पर भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता कॉमरेड गिरीश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित हुए। कॉमरेड गिरीश शर्मा ने आगामी लोकसभा चुनावों और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के संबंध में भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णयों और प्रस्तावों की जानकारी दी। कॉमरेड गिरीश शर्मा ने आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की पराजय और संसद में भाकपा के मजबूत प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने हेतु भाकपा सदस्यों से जुट जाने का आव्हान किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य परिषद के सदस्यों ने लोकसभा चुनाव प्रचार की रणनीति, पार्टी सदस्यता के नवीनीकरण और विभिन्न सांगठनिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए।

रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में मिलेट प्रोडक्ट को दर्शकों से अच्छा रिस्पांस

उज्जैन। उज्जैन में आयोजित हुए रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में मिलेट प्रोडक्ट के प्रदर्शनी को दर्शकों से अच्छा रिस्पांस मिला है। यह कहना है भोपाल के मिलेट प्रोडक्ट उत्पादक एके सिंह का। श्री सिंह ने बताया कि उनका प्लांट डिंडोरी में स्थापित है। साथ ही भोपाल में भी इसकी एक इकाई भी लगाई गई है। वे मिलेट प्रोडक्ट निर्माण के लिए कच्ची सामग्री जैसे कि कोदो, कुटकी आदि डिंडोरी एवं आसपास के ग्रामीण अंचल से प्राप्त करते हैं। मिलेट प्रोडक्ट में वे बेकरी उत्पाद बना रहे हैं, जिसे मार्केट में अच्छा रिस्पांस है। उनका प्रोडक्ट ऑनलाईन भी उपलब्ध रहता है। वे कोदो मिलेट कुकीज में केसर पिस्ता, ओट्स विथाउट शुगर, चोको चिप्स, ड्रायफ्रुट्स, जीरा मिक्स, स्वेकी स्टिक्स आदि आईटम बनाते हैं।

इंडी गठबंधन मोदी जी का परिवार ढूँढेगा तो भारत के हर परिवार में जाना होगा - वीडी शर्मा

लालू यादव जैसे नेता अपने कुनबे तक सीमित है

भोपाल। राजनीति में सक्रिय परिवारवादी पार्टियों के लालू यादव जैसे नेता अपने ही परिवार में उलझे रहते हैं। वे सिर्फ अपने ही बेटे-बेटियों और परिवारजनों के भविष्य के बारे में सोचते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपने हर संबोधन की शुरुआत 'मेरे परिवारजनों' शब्द से करते है। वो पूरे देश को ही अपना परिवार मानते हैं। इसलिए भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश में 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू किया है। इंडी गठबंधन मोदी जी का परिवार ढूँढेगा तो भारत के हर परिवार में जाना होगा। यह बात बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया को बाइट देते हुए कही। क्यों किया भगवान राम का अपमान, जनता को बताएं राहुल श्री शर्मा ने कहा कि राघोगढ़ की जनता दिग्विजय सिंह से यह पूछ चुकी है कि क्यों जनता के साथ छल-कपट किया, क्यों रामलला का अपमान किया? राहुल गांधी आज राघौगढ़ में हैं और आज राघोगढ़ समेत पूरे प्रदेश की जनता राहुल गांधी से यह पूछ रही है कि कांग्रेस ने भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार क्यों किया? श्री शर्मा ने कहा कि जो भगवान राम हर भारतीय के हृदय में विराजमान हैं, उनका अपमान, भारतीय संस्कृति का अपमान कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी की राजनीति के आधार हैं। श्री शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा विधानसभा चुनाव के पहले प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी कांग्रेस का बंटाधार हो गया था। देश विरोधी चरित्र वाले लोगों को जनता ने नकार दिया है। किसानों की हरसंभव सहायता करेगी प्रदेश सरकार उन्होंने कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र खजुराहो समेत बुंदेलखंड के कई इलाकों में ओलावृष्टि हुई है, जिससे कई गांव प्रभावित हुए हैं। किसानों को हुए नुकसान के बारे में मुख्यमंत्री जी और प्रशासन के अधिकारियों से मेरी बातचीत हुई है। नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। उसके बाद किसानों को उचित राहत देने का काम प्रदेश सरकार करेगी, उनकी हर संभव सहायता करेगी।

कुबेरेश्वर धाम में आयोजित कथा की व्यवस्था के लिए जुटा प्रशासन

सीहोर , निप्र। कुबेरेश्वर धाम में 7 मार्च से शिव महापुराण कथा प्रारंभ होने जा रही है । जिला प्रशासन कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और आवागमन सुगम बनाने के लिए व्यवस्थाओं में जुट गया है । लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, विद्युत विभाग, नगर पालिका तथा जनपद पंचायत सहित अनेक विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा आवश्यक व्यवस्था के लिए दुरुत गति से तैयारी की जा रही हैं । कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले सुनिश्चित कर ली जाएं । कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि व्यवस्थाएं बेहतर हों, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो । उन्होंने कहा है कि जिन अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है वे 5 मार्च को ही अपने ड्यूटी स्थान पर पहुंचकर उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य को भली-भांति समझ लें । एसडीएम श्री तन्मय मिश्रा ने बताया कि मुख्य मार्ग के आसपास खेतों को प्लेन कर पार्किंग स्थल बनाए जा रहे हैं । इन पार्किंग स्थलों पर वाहन उतारने के लिए जगह-जगह रैंप भी बनाए जा रहे हैं । ताकि वाहन आसानी से मुख्य मार्ग से उतारे और चढ़ाये जा सकें । उन्होंने बताया कि खेत मालिकों से पार्किंग के लिए बैठक कर उन्हें पार्किंग शुल्क वाले रसीद कट्टे जनपद पंचायत की ओर से प्रदान किया जा रहे हैं । ताकि पार्किंग के लिए अवैध वसूली नहीं की जा सके । इसके साथ ही मुख्य मार्ग पर लगभग पांच कट पॉइंट बनाए जा रहे हैं , ताकि लेन चेंज कर श्रद्धालु आसानी से अपने वाहन पार्क कर कथा स्थल तक पहुंच सके ।

कुबेरेश्वर धाम परिसर में 10 बिस्तरों का आईसीयू होगा

कुबेरेश्वर धाम परिसर में 10 बिस्तरों का आईसीयू सेंटर बनाया जाएगा जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी । इसके अलावा हेल्थ कैंप भी बनाए जा रहे हैं । इन हेल्थ कैंप में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी लगाई जा रही है । एंबुलेंस की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है ।

चार खोया-पाया केंद्र बनेंगे

कुबेरेश्वर धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के बिछड़ने की सूचना के प्रसारण के लिए चार खोया पाया केंद्र बनाए जा रहे हैं । इन केंद्रों में 24 घंटे के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है ।

जगह-जगह पीने का पानी उपलब्ध रहेगा

श्रद्धालुओं को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े इसके लिए जगह-जगह पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को पानी के लिए अधिक दूर चलकर नहीं जाना पड़े । पेयजल आपूर्ति के लिए पंचायत से पर्याप्त संख्या में टैंकर लगाए जाएंगे इसके अलावा सांची दुग्ध संघ से भी टैंकर बुलाए जा रहे हैं । पेयजल व्यवस्था के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की विभाग द्वारा अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है ।

आवश्यक सूचनाओं के बोर्ड और फ्लेक्स लगाए जाएंगे

कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग से लेकर कथा स्थल तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो इसके लिए जगह-जगह आवश्यक सूचना वाले फ्लेक्स और बोर्ड लगाए जाएंगे । इंदौर , भोपाल जाने वाले वाहनों के लिए मुख्य मार्ग पर डायवर्सन के फ्लेक्स लगाए जाएंगे ।

अवैध वसूली रोकने के लिए दल

कुबेरेश्वर धाम में आने वाले श्रद्धालुओं से किसी तरह की कोई अवैध वसूली न की जाए इसके लिए खुफिया दल पूरे परिसर में घूम-घूम कर यह देखेगा कि कहीं कोई दुकानदार किसी सामग्री का निर्धारित मूल्य से अधिक तो नहीं ले रहा है या पार्किंग स्थल पर निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल तो नहीं की जा रही है, अगर ऐसा करते पाया जाएगा तो संबंधित दुकानदार अथवा व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

कुबेरेश्वर धाम से बस स्टैंड और स्टेशन के लिए किराया निर्धारित

कुबेरेश्वर धाम से बस स्टैंड तथा स्टेशन जाने के लिए यात्री वाहनों का किराया निर्धारित किया जाएगा ताकि कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं से अधिक किराया वसूल नहीं किया जा सके । इसके साथ ही अधिक किराया वसूलने पर इसकी शिकायत जिला परिवहन अधिकारी द्वारा दिए गए नंबर पर की जा सकती है । पार्किंग शुल्क और अधिक किराया वसूल करने पर जिला परिवहन कार्यालय के मोबाइल नंबर 9479925182 पर शिकायत की जा सकेगी । इसके साथ ही कोई भी वाहन चालक नशा कर वाहन न चलाएं इसके लिए चेकिंग भी की जाएगी ।

हेलीपैड और मार्ग व्यवस्था

कार्यक्रम स्थल के समीप हेलीपैड बनाया जा रहा है, ताकि अति विशिष्ट व्यक्तियों के आगमन के समय किसी तरह का कोई व्यवधान न हो । इसके लिए दो वैकल्पिक मार्ग भी बनाए गए हैं। इससे मुख्य मार्ग से श्रद्धालुओं का आवागमन सुगमता से पूरे समय चलता रहेगा ।

कुबेरेश्वर धाम सीहोर में 07 से मार्च 13 तक आयोजित होने वाली कथा के चलते हल्के एवं भारी वाहनों के लिए मार्ग परिवर्तित किया गया है

सीहोर , निप्र। कुबेरेश्वर धाम में 7 मार्च से रुद्राक्ष महोत्सव और शिवमहापुराण कथा का आयोजन होने वाला है । कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं यातायात सुगम बनाए रखने के लिए मार्गों का डायवर्सन किया गया है । यह कथा 13 मार्च तक चलेगी । आयोजन समिति द्वारा 05 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की जानकारी दी गई है । कार्यक्रम के दौरान 08 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में उज्जैन से आने वाले श्रद्धालु , उज्जैन दर्शन उपरांत जिले में स्थित कुबेरेश्वर धाम में कार्यकम आयोजन में भी सम्मिलित होंगे । शिवमहापुराण कथा में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से सड़क मार्ग द्वारा आवागमन होगा । जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है ।

वार्ड में साफ सफाई के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारियों के नंबर अंकित करायें

कलेक्टर श्री सिंह ने सीएमओ को दिये निर्देश

हरदा , निप्र। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने रविवार को हरदा शहर के नेहरू पार्क, बिरजाखेड़ी वाटर पम्प सहित अन्य स्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री पाटीदार को निर्देशित किया कि वार्डों में साफ-सफाई व के लिये जिम्मेदार नोडल अधिकारियों के नाम व मोबाइल नम्बर अंकित करायें ताकि गंदगी होने पर वहां के लोग आसानी से संबंधित अधिकारी से फोन पर सम्पर्क कर सकें। उन्होने इस दौरान निर्देशित किया कि शहर की सफ़ाई के फ़ोटो प्रतिदिन सुबह 8 बजे तक भेजें। कलेक्टर श्री सिंह ने पूर्व में भ्रमण के दौरान दिये निर्देशों का पालन न करने, बेहतर साफ- सफाई नही मिलने व मेंटनेस कार्य ठीक से न होने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री कमलेश पाटीदार एवं सहायक यंत्री श्रीकांत बोहरे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होने भ्रमण के दौरान अनुपस्थित पाये जाने पर पार्क के नोडल अधिकारी को भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने बिरजाखेड़ी स्थित वाटर पंप के निरीक्षण के दौरान उसमे इलेक्ट्रिक सुरक्षा के इंतज़ाम करने के निर्देश दिए। उन्होने बिरजाखेड़ी के रास्ते में स्थित पुलिया की जेसीबी से तुरन्त सफाई कराने एवं पुलिया का मरम्मत कराने हेतु प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये। उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री पाटीदार को आसपास गंदगी करने वालों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होने भ्रमण के दौरान कन्या शाला स्कूल के सामने स्थित अधूरे गुलजार भवन को देखा तथा बेहतर साफ-सफाई नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की एवं गुलजार भवन का संशोधित एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए।

विश्व श्रवण दिवस एवं विश्व जन्म दोष दिवस पर हुआ कार्यशाला सम्पन्न

विशेष शिविर में 22 लोगों के कानों की हुई जॉच, दिया उपचार

हरदा , निप्र। जिला चिकित्सालय हरदा में रविवार को विश्व श्रवण एवं बर्थ डिफेक्ट दिवस पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जन्म दोषों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी. सिंह, सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा व नोडल अधिकारी डॉ. राजेश सतीजा ने किया। कार्यशाला में डॉ सिंह ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिले में किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया वहीं डॉ मनीष शर्मा ने जन्मदोषों की पहचान करने के सही समय के बारे में बताया। डीईआईएम आशीष साकल्ले ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका छारी एवं डॉ. सनी जुनेजा ने बच्चों में होने वाले जन्मजात दोषों के बारे में जानकारी दी। नाक कान गला विशेषज्ञ डॉ राजेश सतीजा ने कान एवं श्रवण क्षमता को बचाने संबंधी जानकारी दी उन्होने ईयर-फोन, हेड-फोन की घातकता के बारे में बताया और छोटे बच्चों को इससे दूर रखने की सलाह भी दी । क्या है बर्थ डिफेक्ट? प्रशिक्षण कार्यशाला में सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि बर्थ डिफेक्ट्स (जन्म दोष) का मतलब गर्भ की बच्चे की ग्रोथ या डेवलपमेंट में कुछ असामान्यताएं होना है। लगभग गर्भावस्था में बच्चों में 6 प्रतिशत बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते है और सोनोग्राफी के माध्यम से इन दोषों की पहचान गर्भावस्था के दौरान ही कर ली जाती है। वहीं, कुछ डिफेक्ट्स ऐसे होते हैं, जो डिलीवरी के बाद पहले एक-दो सालों में समझ आते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित आरएमओ डॉ. राजेश सतीजा ने बताया कि इस तरह के विकारों के साथ हर साल लगभग 8 मिलियन बच्चे जन्म लेते हैं। कार्यशाला में डॉ मंजू वर्मा, डॉ पूजा मुकाती, नर्सिंग ऑफिसर आयलीन पीटर, गीता वर्मा, भुवनेश्वरी खंडेत, प्रिया तिवारी, यशोदा चौकीकर, अनुग्रह मैथ्यू, अमरीन बानो ने बर्थ डिफेक्ट पर अपने विचार व्यक्त किया। शिविर में ऑडियोलॉजिस्ट नीरज मालवीय एवं प्रेम जाट ने मरीजों की ऑडियोमेटरी जॉच की। शिविर में आए बच्चों एवं वृद्धजनों की जॉच नाक काल गला विशेषज्ञ द्वारा की गई एवं परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में चिन्हित 10 लोगों की ऑडियोमेटरी जॉच भी की गई। इस दौरान 1 बच्चे को आवश्यक जॉच हेतु एम्स भोपाल रेफर किया गया।

माधव महाकाल आरोग्य आश्रम शिव मंदिर भूमि पूजन एवं कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए राजस्व मंत्री

सीहोर , निप्र। सेकड़ाखेड़ी स्थित माधव महाकाल आरोग्य आश्रम में शिवमंदिर भूमि पूजन एवं कन्या विवाह कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना निर्धन परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है । अब गरीब मां-बाप की बेटी का विवाह भी धूमधाम से हो रहा है । उन्होंने कहा कि इस योजना के शुरू होने के बाद से अब गरीब मां-बाप को किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता और न ही किसी से कर्ज लेना पड़ता है । अब माता पिता बेटी की शादी की चिंता से मुक्त हो गए हैं । यही कारण है की लाडली लक्ष्मी और कन्यादान जैसी योजनाओं के कारण प्रदेश में बेटी के जन्म पर उत्सव मनाया जाने लगा है । उन्होंने कहा कि महिलाओं को लेकर प्रदेश सरकार बहुत संवेदनशील है और बहन, बेटियों के साथ दुराचार करने वालों फांसी की सजा देने का कानून प्रदेश सरकार ने बनाया है । उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव गरीब किसान की सरकार है और लोगों की कल्याण और विकास के लिए काम कर रही है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मैं भगवान भोलेनाथ के मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुआ हूं । उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है । उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हमेशा काम करती रहेगी । कार्यक्रम में विधायक श्री सुदेश राय ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री रमेश सक्सेना, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री जसपाल अरोरा, पंडित श्री मोहितराम पाठक उपस्थित रहे ।

आउटसोर्सिंग के माध्यम से साफ सफाई कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित

विदिशा , निप्र। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए जिला रजिस्टार ने बताया कि नवीन जिला न्यायालय भवन विदिशा और तहसील न्यायालय गंज बासौदा में नवनिर्मित न्यायालय भवनो में साफ सफाई कार्य हेतु आउटसोर्सिंग से कराए जाने के संबंध में निविदाएं 22मार्च की दोपहर 12 बजे तक बेवसाइट www.mphc.gov.in , www.tenders.gov.in पर अपलोड की गई है ।

देव-स्थानों के विकास के लिए धर्मस्व, राजस्व और संस्कृति विभाग की मंत्रिमंडलीय उप समिति गठित की जाएगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● अयोध्या धाम में राज्य सरकार धर्मशाला विकसित करेगी ● देवी-देवताओं के वस्त्र-आभूषण व मूर्ति निर्माण को कुटीर उद्योग के रूप में प्रोत्साहित किया जाएगा ● जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में होगी आगामी रीजनल इंडस्ट्रियल समिट

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले उन्होंने संबोधन में कहा कि मंत्रि-परिषद के सदस्यों का भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए शासकीय रूप से अयोध्या जाना ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर है। यह यात्रा भगवान श्रीराम के प्रति आदर का प्रकटीकरण है। उन्होंने इस शुभ घड़ी के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अयोध्या यात्रा के बाद देव-स्थानों के संबंध में लिए गए निर्णय और संकल्पों के क्रियान्वयन में राज्य शासन तेजी से आगे बढ़ेगा। मंत्रि-परिषद की अगली बैठक में मंत्रिमंडलीय उप समिति बनाकर धर्मस्व, राजस्व और संस्कृति विभाग को जोड़ा जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित देव-स्थानों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय क्षेत्र के देव-स्थानों के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग भी इसमें शामिल रहेंगे। सभी विभाग परस्पर तालमेल और समन्वय से देव-स्थानों के विकास के लिए कार्य योजना बनाकर उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। राज्य शासन का उद्देश्य है कि मंदिर देव-स्थान के साथ-साथ सामाजिक चेतना और समरसता का भी केंद्र बनें और मंदिरों में सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक कार्य संपन्न हों। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम में राज्य सरकार धर्मशाला विकसित करेगी। प्रदेश के अंदर और बाहर स्थित प्रमुख देवस्थानों में भी राज्य सरकार द्वारा धर्मशालाएं विकसित करने की दिशा में पहल की जाएगी। अन्य राज्य सरकारों को मध्यप्रदेश स्थित देवालयों में अपने राज्य की तरफ से धर्मशालाएं विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस प्रस्ताव का मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवालयों में लगने वाली सामग्री जैसे भगवान श्री कृष्ण के वस्त्र-आभूषण, श्रृंगार सामग्री, धातु व पत्थर की मूर्तियों के निर्माण को कुटीर उद्योग के अंतर्गत प्रोत्साहित किया जाएगा। स्व-सहायता समूह तथा क्षेत्र के युवाओं को इसके लिए मथुरा एवं जयपुर आदि के कलाकारों से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा और मंदिरों में इन सामग्रियों के विक्रय के लिए स्टॉल की व्यवस्था भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मंत्री-परिषद के सदस्यों ने उज्जैन में हुई रीजनल इंडस्ट्रियल समिट की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्रियल समिट में उज्जैन के साथ-साथ प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी औद्योगिक गतिविधियां आरंभ हुई हैं। आगामी रीजनल इंडस्ट्रियल समिट जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि राजस्व महाअभियान के अंतर्गत नामांतरण के 03 लाख 03 हजार प्रकरण निराकृत किए गए। अभियान में 37 हजार बंटवारे के प्रकरणों, 40 हजार सीमांकन, 25 हजार अभिलेख दुरुस्ती, दो लाख 23 हजार 830 नक्शा-तरतीम के प्रकरणों का निराकरण किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सायबर तहसील व्यवस्था भी लागू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ी संख्या में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा को बधाई दी।

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

उषानगर में निर्माणाधीन इमारत की छत गिरी, तीन मजदूर दबे

इंदौर। रणजीत हनुमान मंदिर मेन रोड पर सोमवार को एक निर्माणाधीन इमारत की छत गिर गई। इससे उसके नीचे तीन मजदूर दब गए। दो मजदूर घायल हुए हैं। सूचना पर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। तीनों मजदूरों को निकालकर अस्पताल भिजवाया गया है।बताया जाता है कि रणजीत हनुमान मंदिर मेन रोड पर उषानगर में एक इमारत का निर्माण चल रहा है। यहां मजदूर काम कर रहे थे। अचानक इमारत की छत ढह गई। इससे वहां काम कर रहे तीन मजदूर दब गए। इनमें से दो मजदूर घायल हुए हैं। एक का हाथ फ्रैक्चर हुआ है तो दूसरे का पैर टूट गया।फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम ने लोगों की मदद से वहां का सामान हटाया और मजदूरों को बाहर निकाला। इसके बाद तीनों को अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हालांकि उनकी हालत खतरे से बाहर है।

मुसाखेड़ी क्षेत्र में आठ दिन से रोक रखा है मेन रोड पर रास्ता, शव यात्राओं को शमशान जाने में हो रही है परेशानी

इंदौर। शहर के वार्ड 52 में मुसाखेड़ी में रोड पर शादी के नाम पर एक परिवार ने रास्ता रोक रखा है। मुसाखेड़ी में प्रजापति सायकल के पास से श्मशान जाने वाले मुख्य रोड पर पिछले आठ दिनों से सड़क पर टेंट तख्त रख कर रास्ता बंद किया है। आस पास के लोग भाई चारे के कारण कुछ नहीं बोल पा रहे हैं। इस रास्ते से रोजाना शवयात्रा गुजरती है जो अंतिम संस्कार के लिए यादव नगर श्मशान तक जाती है लेकिन मानवता तब शर्मसार हो गई। जब शव यात्रा को बड़ी मुश्किल से पास के आड़े तिरछे और संकरे रास्ते से लेकर जाना पड़ा और हद तो यह थी कि शव यात्रा में लाए गए रामधुन बजाने वाले बैंड को बीच में से ही वापस जाना पड़ा लेकिन इस परिवार को इससे से भी कोई फर्क नही पड़ा और टेंट सोमवार को भी यथावत लगा रहा।

गांजा कांड की जांच में फंस गई नारकोटिक्स की टीम

इंदौर। तस्करों को पकड़ने गई नारकोटिक्स की टीम खुद ही जांच में फंस गई है। उन पर मुलजिमों को छोड़ने के आरोप लग रहे हैं। डीआइजी ने बाकायदा जांच बैठा दी है। टीम ने 29 फरवरी को घाटाबिल्लोद से तस्करों को पकड़ा था। शाहरुख कुरैशी से 20 किलो गांजा की जब्ती दर्शाई और मामला खत्म कर दिया। डीआइजी अमित सिंह को शिकायत मिली कि शाहरुख के साथ दो तस्कर भी थे। पुलिसवालों ने उन्हें पकड़ा लेकिन गिरफ्तारी बगैर छोड़ दिया। एक मुलजिम को रिहाई के एवज में जमीन गिरवी रखना पड़ गई। आरोप झूठे हैं या सच, यह तो जांच के बाद स्पष्ट होगा लेकिन डीआइजी गंभीर हैं। नारकोटिक्स के बड़े अफसर भोपाल ही बैठते हैं। निरीक्षक के अधीन कार्य करने वाले ज्यादातर पुलिसकर्मी अफसरों को अंधेरे में रख कर अक्सर गड़बड़ी कर देते हैं।

भारतीय नारी अब लोगों को यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाएगी

इंदौर। यह नारी ही है जो घर की जिम्मेदारी भी संभाल सकती है और चारदीवारी के बाहर अपनी पहचान भी बना सकती है। कभी मां के रूप में बच्चों को ज्ञान देती है तो कभी बदलाव की बात कर समाज को सार्थक संदेश देती है। जीवन भर विविध दायित्वों को निभाने वाली भारतीय नारी अब लोगों को यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाने जा रही है।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में यूं तो बहुत सी संस्थाओं द्वारा महिलाओं को सम्मानित किया जाता है लेकिन इस दिन विशेष बनाने की कोशिश अब महिलाओं द्वारा की जा रही है। इस आयोजन में शहर की महिलाएं साड़ी पहनकर स्कूटर या बाइक चलाएंगी। इसके जरिए वे यह संदेश देंगी कि साड़ी पहनने वाली नारी केवल घर ही नहीं बल्कि दोपहिया वाहन भी बखूबी चला सकती है। वहीं हेलमेट लगाकर वे समाज को यह भी संदेश देंगी कि महिला हो या पुरुष जब भी दोपहिया वाहन चलाएं तो हेलमेट जरूर लगाएं और यातायात के नियमों का पालन करें। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हो रहे इस आयोजन में शामिल होने वाली महिलाएं समाज को यह संदेश देंगी कि हमें अपनी संस्कृति को तो बचाना ही है, साथ ही यातायात के नियमों का पालन करते हुए अपनी रक्षा भी करना है। यह रैली पलासिया चौराहे से आरंभ होकर राजवाड़ा होते हुए पुन~ पलासिया पर समाप्त होगी। इस आयोजन में नगर निगम, इंदौर ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन भी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। इस आयोजन में श्री माहेश्वरी महिला संगठन हाईवे क्षेत्र, सारी कल्चर ग्रुप, सत्यसेवा संकल्प मंच अखंड भारत, क्रिएट स्टोरीज, श्री मध्यक्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन, लव यू जिंदगी ग्रुप, वाओ ग्रुप, याराना ग्रुप, युवाना ग्रुप, स्नेहशील हेल्पिंग हैंड्स वुमंस ग्रुप इंदौर, ग्लैमरस ग्रुप, भक्ति ग्रुप, इंदौर बाइकर्नी ग्रुप, इंदौरी आर्टिस्ट आदि संस्थाएं सहयोगी के रूप में शामिल होंगी।

टीआई बने पुलिस कर्मचारियों का होगा डिमोशन

इंदौर। इंदौर वर्ष 2021 से अब तक हुई उप निरीक्षक से कार्यवाहक निरीक्षक (टीआइ) पद पर पदोन्नति के आदेश को हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने निरस्त कर दिया। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने फैसला दिया। सीधी भर्ती के उप निरीक्षकों की वरिष्ठता को परिवीक्षा अवधि समाप्त होने की तारीख जोड़े जाने और नियमों के अनुरूप वरिष्ठता सूची तीन माह में फिर से जारी करने का आदेश जारी किया है। आदेश के बाद हाल ही में बड़ी संख्या में प्रमोट होकर टीआइ बने उम्मीदवार प्रभावित होंगे। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और प्रणय वर्मा की स्पेशल डबल बेंच ने दोनों पक्षों सुनने के बाद आदेश दिया कि पुलिस विभाग नियमानुसार सूची बनाए। याचिकाकर्ता और ऐसे सभी जो पात्र हैं, उन्हें प्रभार दें। पुलिस विभाग के रिक्त पदों के लिए 2021 में सरकार ने पदोन्नति का विकल्प दिया था। इसके तहत पुलिस रेगूलेशन एक्ट में पैरा-72 के तहत कार्यभार देने का नियम था। बाद में इसे संशोधित कर जीओपी बनाई। इसमें पदोन्नति नियमों का पालन नहीं किया गया। इससे वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी पदोन्नति में पीछे हो गए थे।

इंदौर के होटल और फ्लैट में बनी निजी हवालात

इंदौर। हथकड़ी लगा कोई व्यक्ति होटल में नजर आए तो हैरान मत होना। वह मुलजिम ही है। साथ में पुलिस वाले भी हैं। मुलजिम को पूछताछ के लिए रखा गया है। ऐसा सभी थानों में तो नहीं हो रहा लेकिन कुछ के थानों में होटल-फ्लैट में ही पूछताछ होती है। ऐसा सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए किया जाता है। मुलजिम आसानी से नहीं टूटते हैं। दो-चार दिन हिरासत में रखना ही पड़ता है। जबसे मुख्यालय ने सीसीटीवी कैमरे लगाए हिरासत में लेने की परंपरा खत्म सी हो गई। थाने आते ही मुलजिम की रिपोर्ट डालनी पड़ती है। पुलिस वालों ने इसका तोड़ निकाला और होटल व फ्लैट में पूछताछ करने लगे। सबकुछ स्पष्ट होने के बाद मुलजिम को थाने लाया जाता है। तत्काल गिरफ्तारी लेकर कोर्ट में पेश कर देते हैं। सीरियल चोरी और रसूखदार के घर हुई वारदात के मुलजिमों को होटल में रखा गया था।

नए दौर का मध्य प्रदेश निवेश आकर्षित करने में अव्वल

इंदौर। बीते 15 वर्षों में औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में जितनी चर्चा मध्य प्रदेश की हो रही है, उतनी शायद ही किसी राज्य की हो। यही कारण है कि महाकाल की नगरी उज्जैन में हाल ही में हुए दो दिवसीय क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्रदेश को प्राप्त हुए। यहां 12 देशों से आए उद्यमियों के साथ ही 3700 से अधिक उद्योगपति शामिल हुए। इस सम्मेलन के माध्यम से 17 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध होने की राह भी आसान हुई।किसी भी राज्य में होने वाला निजी निवेश उसकी आर्थिक नीतियों का आईना माना जाता है। इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि बीते पांच वर्षों में प्रदेश सरकार निवेशकों को अपने यहां आकर्षित करने में अन्य राज्यों की तुलना में आगे ही रही है।

वित्त वर्ष 2018-19 में प्रदेशों में होने वाले विदेशी निवेश में मध्य प्रदेश की भागीदारी 1.6 प्रतिशत ही थी, लेकिन वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर पांच प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। पर्याप्त लैंड बैंक और उद्योग हितैषी नीतियों के प्रचार का लाभ भी प्रदेश को मिल रहा है। अब आवश्यकता है नीतियों को उद्योगों के लिए और अधिक कारगर बनाने की। दो दशक पहले मध्य प्रदेश में निवेश का परिदृश्य अच्छा नहीं था। अधोसंरचनात्मक स्थिति खराब होने की वजह से औद्योगिक इकाइयां यहां आने के बजाय दूसरे राज्यों का रुख करती थीं। बीते वर्षों में प्रदेश को बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकालने की दिशा में चरणबद्ध तरीके से कार्य हुआ। अच्छी सड़कें, बेहतर लैंडबैंक, बिजली और पानी की उपलब्धता ने निवेशकों का ध्यान मध्य प्रदेश की ओर दोबारा आकर्षित किया। यहां होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे आयोजनों में देश-दुनिया के बड़े उद्योगपतियों ने पहुंचकर प्रदेश के औद्योगिक वातावरण और अधोसंरचना का गहराई से अध्ययन किया। निश्चित ही ये प्रयास प्रदेश के विकास की तस्वीर में बदलाव लाने में सफल साबित हुए और प्रदेश का औद्योगिक चेहरा बदलने लगा। इन सबके बावजूद तंत्र की असली परीक्षा निवेश करार के धरातल पर उतरने के बाद ही शुरू होती है। उद्योगों के लिए तीन वर्ष तक अनुमति की आवश्यकता नहीं, पोर्टल पर ही अपनी समस्याओं का समाधान और सिंगल विंडो जैसी सुविधाएं व्यवहार में पूरी तरह लागू नहीं हो पाई। एक के बाद एक कई 'विंडो' से गुजरने के बाद ही उद्योगपति लक्षित स्थल तक पहुंच पाते हैं।

नए क्षेत्र विकसित करने की जरूरत

मध्य प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य की बड़ी चुनौती नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करना भी है। प्रदेश की बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है। यहां अधोसंरचनात्मक ढांचे की स्थिति उतनी बेहतर नहीं है, जितनी उद्योगों को चाहिए। यही कारण है कि स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों में ही उद्योगपति जाना चाहते हैं, लेकिन इन क्षेत्रों की अपनी सीमा है। चाहे इंदौर के पास पीथमपुर हो या देवास का औद्योगिक क्षेत्र हो या फिर गोविंदपुरा। इन औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास आवासीय क्षेत्र तेजी से विकसित होते चले गए।

फलस्वरूप औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार की गुंजाइश यहां नहीं बची। उधर पहले से स्थापित इन क्षेत्रों में बेहतर संपर्क और संसाधन होने से बाहर से आने वाले उद्योग इसी क्षेत्र को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि सरकार ने इस समस्या को देखते हुए नए औद्योगिक क्षेत्र और क्लस्टर विकसित करना शुरू तो किए हैं, लेकिन इनकी गति धीमी होने से ये प्रभावी नहीं हो पाए हैं।

एमएसएमई और छोटे उद्योगों के लिए अधिक चुनौतियां

प्रदेश की औद्योगिक तस्वीर का एक पहलू सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भी हैं। अकेले एमएसएमई के तहत ही प्रदेश में पौने दस लाख से अधिक उद्योग पंजीकृत हैं। इनकी पीड़ा यही है कि समिट जैसे आयोजनों के माध्यम से बड़े उद्योगों के लिए तो रेड कारपेट बिछा दिया जाता है, लेकिन छोटे उद्योगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं जाता है। शहरी क्षेत्रों के पास की औद्योगिक जमीनें बड़े उद्योग ले लेते हैं और छोटे उद्योगों के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में जमीन मुहैया करवा दी जाती हैं। वहां आवागमन और अधोसंरचना विकसित करने का खर्च ही इतना अधिक होता है कि छोटे उद्योगों के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहना कठिन हो जाता है। सरकार की अनुदान योजनाएं भी छोटे उद्योग और एमएसएमई के लिए कड़ी हैं। इसे अधिक लचीला बनाने की मांग इस क्षेत्र के उद्योगपति लंबे समय से कर रहे हैं।

मंहगी बिजली और टैक्स कर रहे उद्योगों को परेशान

मध्य प्रदेश में निवेश कर चुके उद्योगपतियों के अलावा स्थानीय उद्योगपतियों की यह पीड़ा भी है कि उन्हें अन्य राज्यों की तुलना में यहां महंगी बिजली मिलती है। औद्योगिक इकाई के लिए नया बिजली संयोजन लेने की प्रक्रिया भी काफी जटिल है। इसी तरह प्रदेश में एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहतर करने के लिए उद्योगों में जीवाश्म ईंधन के उपयोग पर तो रोक लगा दी गई, लेकिन इसके बदले में दी जा रही पीएनजी पर टैक्स की दर मध्य प्रदेश में सबसे अधिक है। पीएनजी पर महाराष्ट्र में चार प्रतिशत वैट (टैक्स) लगता है तो मध्य प्रदेश में पीएनजी पर सरकार 13 प्रतिशत वैट वसूल रही है।

नए उद्योगों की अनुदान में भी परेशानी

मध्य प्रदेश में नए उद्योग स्थापित करने के लिए उद्योगपतियों को कई योजनाओं में अनुदान दी जाती है। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण आदि क्षेत्रों के उद्योगों के लिए विशेष अनुदान का प्राविधान भी है लेकिन ये अनुदान प्राप्त करने में उद्योगपतियों को पसीना आ जाता है। एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मप्र (एआइएमपी) के अनुसार अकेले इंदौर में ही 200 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां अनुदान नहीं मिलने से परेशान हैं, जबकि इसके लिए बजट में न केवल मद आवंटित होना चाहिए बल्कि बिना देरी के अनुदान उद्योगों तक पहुंचने की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

दाल-कपास उद्योग भी कर रहे राहत की मांग

मध्य प्रदेश में कृषि प्रधान व्यवस्था होने की वजह से यहां दलहन और कपास से जुड़े उद्योग भी निवेश के लिए उत्साहित रहते हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा मंडी टैक्स होने की वजह से कदम पीछे खींच लेते हैं। उद्योगों को अन्य राज्यों की तुलना में दाल-दलहन व अन्य उत्पादों की लागत अधिक देना होती है। इसका बड़ा नुकसान यह भी हो रहा है कि बीते चार वर्षों में कई उद्योग अपना कारोबार पड़ोसी राज्यों में स्थानांतरित कर चुके हैं। तमाम विसंगतियों और चुनौतियों के बावजूद मध्य प्रदेश यदि औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है तो उसकी बड़ी वजह यहां की अच्छी अधोसंरचना, कनेक्टिविटी, लाजिस्टिक और बाजार तक आसान पहुंच है। अब आवश्यकता है तो तंत्र को और पारदर्शी बनाने की ताकि निवेश के लिए आने वाले उद्योगपतियों को नीतियों की उलझन से न जूझना पड़े।

कान्ह और सरस्वती नदियों को कुछ वर्षों से स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम द्वारा कई उपाय किए जा रहे हैं

इंदौर। शहर से गुजर रही कान्ह और सरस्वती नदियों को कुछ वर्षों से स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम द्वारा कई उपाय किए जा रहे हैं। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रतिमाह कान्ह और सरस्वती नदियों के 15 पाइंट पर जल प्रदूषण का स्तर मापता है। फरवरी 2023 से जनवरी 2024 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस दौरान काफी हद तक इन नदियों के जल प्रदूषण में सुधार हुआ है, लेकिन इतना भी नहीं कि जलीय-जीव के लिए अनुकूल हो।

नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र से गुजर रही इन नदियों को स्वच्छ रखने के लिए 10 एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) और एक कॉमन एफ्युलेंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाए हैं, जहां हर दिन 360 एमएलडी दूषित जल को उपचारित किया जाता है, लेकिन शहर में अब भी कई जगह आउटफाल कान्ह और सरस्वती में मिल रहे हैं। हालांकि एक वर्ष में प्रशासन द्वारा उद्योगों पर कार्रवाई और नगर निगम के उपाय के चलते दोनों नदियों के पानी के स्तर में लगातार सुधार आ रहा है।फरवरी 2023 में बायोकेमिकल आक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर जहां 34 मिलीग्राम प्रति लीटर था, जो जनवरी में घटकर 20 रह गया है। सामान्य तौर पर दो या दो से कम होना चाहिए। इसी तरह फरवरी 2023 में (सीओडी) केमिकल आक्सीजन मांग का स्तर 107.8 मिलीग्राम प्रति लीटर था, वहीं जनवरी में घटकर 80 रह गया है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए।

जानकारी के अनुसार वर्षा शुरू होते ही नदी-नालों में तेज बहाव के साथ पानी आता है। इसके चलते गंदगी निकल जाती है। यही कारण है कि कान्ह और सरस्वती में जुलाई-अगस्त में बीओडी और सीओडी की मात्रा कम हो जाती है। हालांकि इतनी भी कम नहीं की पानी साफ रहे और जलीय जीव-जंतु के लिहाज से अनुकूल हो।

नागरिकों को सुशासन देने के लिये अनेक सुविधाएँ

इंदौर। नागरिकों को सुशासन देने के लिये राज्य सरकार ने अनेक सुविधाएँ दी हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन सेवाओं में सीएम हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन, सीएम जनसेवा और दिव्यांग हेल्पलाइन प्रमुख हैं।

सीएम हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर

राज्य सरकार ने नागरिकों के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 संचालित की है। कॉल सेंटर के माध्यम से नागरिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी, शिकायत और सुझाव हेतु संपर्क किया जाता है। अब तक सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। जन सामान्य में नागरिकों की समस्या के निराकरण के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 काफी लोकप्रिय है।

महिला हेल्पलाइन

महिला उत्पीड़न से बचाव के लिये महिला हेल्पलाइन का संचालन भी किया जा रहा है। महिला हेल्पलाइन के संचालन के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 से एकीकरण किया गया है। महिला हेल्पलाइन में महिलाओं से संबंधित अपराधों और समस्याओं में महिला की काउंसलिंग कर तत्काल राहत पहुँचाई जा रही है।

सीएम जन सेवा

सीएम जनसेवा का शुभारंभ प्रदेश में लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया था। इसका संचालन भी 181 के माध्यम से किया जा रहा है। सीएम जन सेवा के माध्यम से 7 प्रमुख सेवाएँ, इनमें स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, चालू खसरा की प्रतिलिपि, खतौनी की प्रतिलिपि, चालू नक्शा की प्रतिलिपि, भू-अधिकार पुस्तिका की प्रतिलिपि और स्पेसिमेन कॉपी (खसरा, खतौनी एवं नक्शा) टोल-फ्री नंबर 181 पर एक कॉल पर स्स्र/ड्ढद्धड्डह्लह्यड्डश्चश्च एप के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

दिव्यांग हेल्पलाइन

दिव्यांगजनों की समस्याओं के तेजी से निराकरण किये जाने के मकसद से फरवरी 2023 में दिव्यांग हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। यह हेल्पलाइन 181 से ही जुड़ी हुई है। यह सभी सेवाएँ लोक सेवा प्रबंधन द्वारा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही है।

जोन-3 के एडिशनल डीसीपी को भारी पड़ी लेटलतीफी

इंदौर। इंदौर जोन-3 के एडिशनल डीसीपी रामस्नेही मिश्रा को लेटलतीफी भारी पड़ गई। पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने मिश्रा को जंगलों में रवाना कर दिया। पांच दिन गांव-जंगलों की खाक छानना पड़ गई। मिश्रा लंदन विलाज में आईओसी के मैनेजर पुष्पेंद्र सिंह के घर में डकैती होने के छह घंटे बाद पहुंचे थे। इधर-उधर घूमने के बाद मिश्रा ने आयुक्त को फोन लगाकर कहा कि %सर क्षेत्र में बड़ी घटना घटी है%। आयुक्त घंटों पहले जानकारी ले चुके थे और जोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे के संपर्क मे भी थे। आयुक्त ने तुरंत फोन काटा और आदेश दिया कि डकैतों की कार सरदारपुर की तरफ गई है। मिश्रा तत्काल टीम लेकर रवाना हो। जब तक डकैत पकड़े न जाएं क्षेत्र में कैंप करें। आयुक्त से मिले निर्देशों के कुछ ही देर बाद मिश्रा ने घटना के सीसीटीवी फुटेज इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित कर दिए।

वर्षो से एक ही थाने में जमे पुलिसकर्मी डीसीपी के राडार पर हैं। थाना प्रभारी की चाकरी में लगे इन अंगदों की एक-एक कर रवानगी कर रहे हैं। जोन-2 के खजराना और कनाड़िया से चार पुलिसकर्मियों का तबादला हुआ तो कानाफूसी शुरू हो गई। पूर्व में आए अफसर चाहते हुए भी नहीं हटा सके। डीसीपी अभिषेक आनंद ने न सिर्फ थाने से छुट्टी की बल्कि हाथोंहाथ रवानगी भी करवा दी। कनाड़िया से हटा पुलिसकर्मी तो ड्यूटी से लेकर जांच आवेदन भी खुद बांटता था। थाना प्रभारी की चाकरी के साथ-साथ घर से आने वाले प्रत्येक निर्देशों का पालन करता था। शराब के अड्डे पर हुई कार्रवाई के बाद निशाने पर आया और डीसीपी ने हटा दिया। खजराना से हटे पुलिसकर्मियों की स्थिति ऐसी ही थी। हालांकि बाणगंगा, विजयनगर, लसूड़िया में अभी भी दर्जनों पुलिसकर्मी ऐसे हैं जो सिपाही से भर्ती हुए और अफसर बन गए।

मानव अधिकारों के उल्लंघन की शिकायत अब ऑनलाइन भी

इंदौर। मानव अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों के निराकरण हेतु आयोग में नागरिक अपनी शिकायत ऑनलाइन फ्री पोर्टल www.hrcnet.nic.in पर पत्राचार द्वारा टोल फ्री नम्बर 144334 पर भी कर सकते हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के मदद सेंटर में उपस्थित होकर लिखित शिकायत या मोबाइल नम्बर 9810298900 एवं नागरिक सेवा केंद्र यानि सीएससी में 30 रुपए का शुल्क जमा करके अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं।

300 से ज्यादा परिवार मिले चौराहों पर भीख मांगते

इंदौर। इंदौर को भिक्षा मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी समीक्षा कल कलेक्टर आशीष सिंह ने की। साथ ही तय किया कि जो 7 दल शहर में बनाए गए हैं उनमें अब पुलिस के अधिकारी भी शामिल रहेंगे। वहीं अभी तक 300 से अधिक जो परिवार भीख मांगते मिले उन्हें समझाइश दी गई और 112 बच्चों को भी भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया गया। अब चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी भिखारियों पर निगाह रखी जाएगी और स्मार्ट सिटी कार्यालय में जो कंट्रोल रूम है उससे इसकी मॉनिटरिंग होगी।कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अब बाल भिक्षुकों के साथ ही बड़ी उम्र के भिक्षुकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। भिक्षुक मुक्त शहर बनाने के अभियान को और अधिक गति देकर प्रभावी बनाया जाएगा। भिक्षावृत्ति से मुक्त बच्चों और अन्य भिक्षुकों के शिक्षण, प्रशिक्षण, रोजगार और पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। भिक्षावृत्ति पर कार्रवाई के लिए गठित दल में अब पुलिस भी साथ रहेगी। नगर निगम का कर्मचारी भी दल में रहेगा। डीएसपी स्तर के अधिकारी पुलिस व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेंगे। साथ ही भिक्षावृत्ति पर निगरानी की व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाते हुए स्मार्ट सिटी कार्यालय द्वारा कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा।इस कंट्रोल रूम के माध्यम से चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भिक्षावृत्ति पर निगरानी होगी। यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा भिक्षुक मुक्त शहर बनाए जाने के संबंध में ली गई समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के सीईओ दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर गौरव बैनल, सपना लोवंशी, डीसीपी हंसराज सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि बाल भिक्षुकमुक्त करने के अभियान को आशातीत सफलता मिली है। इस अभियान को निरंतर चलाए जाने की जरूरत है। साथ ही कलेक्टर आशीष सिंह ने अभियान का दायरा बढ़ाते हुए अब बड़े उम्र के भिक्षुकों के विरुद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इंदौर आने वाले विद्यार्थी हो रहे बुरी आदतों का शिकार

इंदौर। छोटे शहरों के बच्चे चकाचौंध में खो जाते हैं। पढ़ने भंवरकुआं आते हैं, लेकिन उन्हें नजर विजय नगर आता है। बुरी आदतों के कारण तनाव में चले जाते हैं। दुर्भाग्य से हम रोज एक बच्चा को खोते हैं। बच्चे किसी न किसी वजह से गलत कदम उठाते हैं। आप लोग ऐसा मत कीजिए। माता-पिता से दूर रहते हो। हमें ही अभिभावक समझो। बड़ा भाई समझ कर बात करो। एक बार बातें शेयर तो करो फिर देखो कैसा लगता है।जोन-1 के डीसीपी आदित्य मिश्रा रविवार को मंगलमूर्ति नगर में रहवासियों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान स्कूल-कालेज के बच्चे भी पहुंचे। मिश्रा भीड़ से हटकर बच्चों के बीच जा पहुंचे। सहजता से कहा कि मुझे अफसर मत समझो। आप लोग परेशानियां पुलिस को बताना शुरू करो। शहर एजुकेशन हब बन चुका है। लड़के तो ठीक हैं, लेकिन लड़कियों को सुरक्षित महसूस करना चाहिए। कमेंट्स, बुलिंग जैसी कोई भी समस्या हो, हमसे साझा करो। वी केयर फोर यू में कॉल लगाओ। पढ़ने में मन लगाओ। हम भंवरकुआं क्षेत्र में रोज एक बच्चा खो रहे हैं। डिप्रेशन में बच्चे गलत कदम उठा लेते हैं। कोई समस्या हो तो शेयर करो। हम मदद करेंगे। थाने न जाएं, फोन पर ही संपर्क कर लें।

एडिशनल डीसीपी जोन-4 अभिनय विश्वकर्मा ने कहा, आप को लगता कि छोटी-छोटी बातों के लिए थाने क्यों जाएं। मत जाइए। फोन पर ही संपर्क कर लें। भंवरकुआं में होस्टल संबंधी समस्याएं भी होती हैं। पुलिस होस्टल वालों पर भी सख्ती करेगी। बच्चों का डेटा पोर्टल पर ऑनलाइन करवाएगी।

ट्रैफिक सिग्नल से पड़ रहा जीडीपी पर असर

पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता भी मंगलमूर्ति नगर में रहवासियों के बीच जा पहुंचे। रहवासियों से समस्याएं सुनीं। 15 लोगों ने समस्याओं के साथ सुझाव भी बताए। ट्रैफिक सिग्नल और रोटरी की बात निकली तो उन्होंने कहा लंबे सिग्नल के कारण काफी नुकसान होता है। हमारी जीडीपी पर भी असर पड़ता है। मैंने तो पलासिया और गीताभवन सिग्नल की टाइमिंग कम करवा दी है। अन्य सिग्नल की टाइमिंग कम करने पर अभ्यास चल रहा है। लोगों ने आनलाइन ठगी, चोरी जैसी घटनाओं का भी जिक्र किया।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 05 मार्च , 2024

संपादकीय

गरीबी के पैमाने को लेकर विवादों के घेरे में सरकार का तर्क

चालू वित्तवर्ष की तीसरी यानी दिसंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 8.4 फीसद दर्ज हुई है। यह निस्संदेह उत्साहजनक आंकड़ा है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से कहीं अधिक है। इस तरह चालू वित्तवर्ष का सकल घरेलू उत्पाद सारे अनुमानों से अधिक रहने वाला है। रिजर्व बैंक ने अपना पुराना अनुमान बदल कर इसे 7.6 फीसद कर दिया है।

हालांकि रिजर्व बैंक ने माना था कि तीसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर आठ फीसद के आसपास रहेगी, मगर चौथी तिमाही में इसके छह फीसद के नीचे रहने का अनुमान है। तिमाही में विकास दर ऊंची रहने के पीछे विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, कर संग्रह में बढ़ोतरी और सबसिडी खर्च में कमी को मुख्य कारण माना जा रहा है। पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के इरादे को निश्चित रूप से इससे बल मिलेगा।

मगर इस आर्थिक विकास दर की परत-दर-परत पड़ताल करें, तो कई असंगत स्थितियां भी नजर आती हैं। आर्थिक विकास दर के ऊंची रहने के बावजूद आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों- कोयला, इस्पात, बिजली, कच्चा तेल, रिफाइनरी, प्रकृतिक गैस, उर्वरक और सीमेंट- में विकास दर सुस्त दर्ज हुई है। इसके समांतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करीब तेरह फीसद घटा है।

माना जाता है कि तेज अर्थव्यवस्था वाले देशों की तरफ विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अपने आप आकर्षित होता है। इस वक्त जब दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, तब भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है। दवा उत्पादन, सेवा, दूर संचार जैसे कुछ क्षेत्रों में विकास की

संभावनाएं अधिक आंकी जाती रही हैं।

मगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद इन क्षेत्रों में भी अगर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा है, तो इसे अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। जिस समय औद्योगिक गतिविधियां ठप्प थीं, उस समय भी भारतीय कृषि क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को लड़खड़ाने नहीं दिया था। मगर आर्थिक विकास दर में इसका योगदान लगातार घटता नजर आ रहा है।

जाहिर है, इस क्षेत्र को उचित प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा। इससे आने वाले समय में महंगाई की दर ऊंची रहने की आशंका बनी रहेगी। महंगाई पर काबू पाना पहले ही सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। रिजर्व बैंक रेपो दरों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करना चाहता। पिछले आंकड़ों में सबसे अधिक महंगाई सब्जियों, दूध, फल और अंडे वगैरह की कीमतों में दर्ज की गई थी।

ऊंची विकास दर के समांतर यह सवाल भी लगातार बना हुआ है कि इसी अनुपात में लोगों की क्रयशक्ति क्यों नहीं बढ़ पा रही। क्रयशक्ति न बढ़ने से घरेलू बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कुछ दिनों पहले जारी हुए उपभोग खर्च संबंधी आंकड़ों से जाहिर है कि लोगों का घरेलू खर्च बढ़ कर दो गुना हो गया है, जबकि उनकी आमदनी में उत्साहजनक बढ़ोतरी नहीं हो पाई है।

गरीबी के पैमाने को लेकर भी अंगुलियां उठती रही हैं, जिसके आधार पर करीब तेईस करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने का दावा किया जा रहा है। अब तो योजना आयोग का कहना है कि केवल पांच फीसद लोग ही गरीब हैं। जबकि इसका दूसरा पहलू यह है कि सरकार खुद करीब अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित करने का श्रेय लेती है। ऐसे असंगत आंकड़ों के साथ आर्थिक विकास दर के ऊंची रहने से देश की वास्तविक तरक्की का चेहरा स्पष्ट नहीं हो सकता।

सोशल मीडिया से...

हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता अगले 100 दिन तक पिछली बार मिले वोटों में कम से कम 370 वोट बढाएं। उन्होंने कहा कि जो फर्स्ट टाइम वोटर हैं, उन्हें पूरी ताकत से भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। महिलाओं को मात्र वोटर नहीं समझें, बल्कि माताओं, बहनों का आशीर्वाद प्राप्त करें।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का दिल से आभार प्रकट करता हूं। पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन किसी कारणवश मैं आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा।

पवन सिंह, भाजपा नेता

हमलोग डरेंगे, झुकेंगे नहीं। जनता की लड़ाई में जनता के लिए लड़ेंगे। बीजेपी वाशिंग मशीन के साथ दुष्ट मशीन भी हो गई है। सभी पार्टियों का कूड़ा वहां जाता है। बीजेपी वालों ने दो-दो डिप्टी सीएम बनाया है। एक साउंड माउंट है तो दूसरा लाउड माउन्ट हैं। बड़बोले हैं। पिछले 14 साल से चुनाव नहीं लड़े हैं। लड़े हैं तो राजद से जीते हैं।

तेजस्वी यादव, पूर्व डिप्टी सीएम बिहार

बीजेपी सरकार ने बड़े-बड़े अरबपतियों का लाखों-करोड़ों का कर्ज माफ कर दिया। ये जो कर्ज का पैसा था, वो देश के लोगों का था, जिसे टैक्स से जुटाया गया था। अगर मोदी सरकार अरबपतियों के लाखों-करोड़ों का कर्ज माफ कर सकती है तो किसानों का कर्ज माफ क्यों नहीं कर सकती?

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

न्यायपालिका जनता की अदालत में चर्चाओं में है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

हरनाम सिंह

देश की न्यायपालिका को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की अवधारणा से सुशोभित किया गया है। वर्तमान में जब लोकतंत्र के तीन स्तंभ कार्यपालिका, विधायिका और मीडिया लगभग ढह चुके हैं, ऐसे में देश की जनता की अंतिम उम्मीद सर्वोच्च न्यायालय से ही है। हाल ही में न्यायालय द्वारा चंडीगढ़ मेयर के चुनाव एवं इलेक्ट्रोल बांड को लेकर दिए गए फैसलों को लेकर अन्याय के शिकार पक्ष द्वारा न्यायालय की भूरी- भूरी प्रशंसा की जा रही है। इसी दौर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अतीत के अनेक फैसलों, फैसलों पर देरी और न्यायालय के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, जिनको लेकर देश की जनता सोचने पर विवश है कि सरकार के खिलाफ मौखिक टिप्पणियां करने वाला न्यायालय, अनेक राजनैतिक रूप से संवेदनशील मामलों में सरकार को बचाने का ही प्रयास करता रहा है। न्यायिक प्रणाली की असफलता ही है कि जिसके चलते राजनीति से प्रेरित भीमा कोरेगांव मामले में फंसाए गए गंभीर रूप से बीमार फादर स्टैंन स्वामी को भोजन ग्रहण करने के लिए एक स्ट्रा तक के उपयोग की अनुमति नहीं दी गई थी। उनकी जेल में ही मृत्यु हो गई। कोई जज इतना अमानवीय कैसे हो सकता है ? जेएनयू के शोध छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका अप्रैल 23 से सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। उसे सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। तब से अब तक न तो केस की सुनवाई शुरू हुई है, नहीं आरोप तक तय किए गए हैं। अदालतों द्वारा किए गए ऐसे अनेक अन्याय की सूची लंबी है। चुनावी बांड पर फैसला 5 वर्ष बाद दिया गया, तब तक भाजपा अरबो रुपए जमा कर चुकी है। आर्थिक स्थिति में उसके मुकाबले विपक्षी दल कहीं नहीं ठहरते। ऊपर से सरकार गैर कानूनी तरीके से विपक्षी दलों के बैंक खाता बंद करवा रही है। न्यायालय मौन है।

इलेक्ट्रोल बांड का फैसला लीक हुआ था ?

क्या सर्वोच्च न्यायालय के जजों की जासूसी हो रही है ? क्या इलेक्ट्रोल बांड के फैसले की जानकारी पूर्व से ही सरकार को थी ? न्यायालय ने डेढ़ माह तक फैसला सुरक्षित क्यों रखा ? ऐसे कई सवाल इन दिनों चर्चा में है। सर्वोच्च न्यायालय ने 2 नवंबर 2023 को चुनावी बांड पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखने की घोषणा की थी। उसने 15 फरवरी 2024 को फैसला सुना कर यह योजना अवैधानिक घोषित कर बंद कर दी। इस बीच सूचना अधिकार कार्यकर्ता कमोडोर लोकेश बत्रा को वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने बताया कि फैसला सुरक्षित रखने और सुनाने की अवधि में सरकार ने 8 हजार 350 करोड़ रुपए के बांड मुद्रित करवाए।

इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018 से लागू इलेक्ट्रॉल बांड की योजना से फैसला सुरक्षित रखने की अवधि तक सरकार ने कुल 35 हजार 660 करोड़ रुपए के बांड छापे थे। औसतन प्रतिवर्ष 7 हजार 130 करोड़ रुपए के बांड छापे गए। जबकि न्यायालय द्वारा फैसला सुरक्षित रखने के बाद सरकार ने डेढ़ माह की अवधि में ही 8 हजार 350 करोड़ रुपए के बांड छाप दिए। इस जानकारी से इस शंका को बल मिलता है कि भाजपा सरकार को पहले से ही न्यायालय के फैसले की जानकारी थी। उसने अधिक से अधिक धन बटोरने का प्रयास किया। जनता के मन में यह भी सवाल है कि फैसला सुरक्षित रखने के नाम पर उसे रोके रखने का क्या मतलब है। क्या न्यायालय निष्पक्ष दिखते हुए सरकार को नाराज भी नहीं करना चाहता ? अथवा सुप्रीम कोर्ट के जजों की जासूसी करवाई जा रही है ? यह जासूसी करवाने में कौन सक्षम है ?और इलेक्ट्रॉल बांड का लाभ किसे मिला यह सभी जानते हैं।

कश्मीर और धारा 370

कश्मीर में धारा 370 हटाने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की बड़े पैमाने पर आलोचना हुई सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रोहिंटन फली नरीमन ने फैसले पर ÷इंडियन एक्सप्रेस÷ में लिखा कि यह फैसला राजनीतिक रूप से सही हो सकता है संवैधानिक रूप से नहीं। यह निर्णय संघवाद के सिद्धांतों का अनुसरण नहीं करता। एक सभा में भी उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हाल के समय में देश में जो हुआ वह बेचैन करने वाला है। कश्मीर में पांच साल से लोकतांत्रिक सरकार नहीं है। यह स्थिति अनिश्चितकाल तक जारी नहीं रह सकती।नरीमन ने कहा कि राज्य का बंटवारा किया गया जहां पहले से ही राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मदन लोकुर ने भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय अपने दायित्व पालन में असफल साबित हुआ है।

खास मुकदमे खास बेंच को

जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच को सरकार द्वारा जजों की नियुक्ति और तबादलों में हो रही देरी पर सुनवाई करना थी, लेकिन इस केस को लिस्ट से ही हटा दिया गया। वरिष्ठ अभिभाषक प्रशांत भूषण ने एतराज जताया कि बिना नोटिस दिए केस को लिस्ट से कैसे हटाया जा सकता है ? इस पर जज कौल ने खुली अदालत में कहा कि ÷मैं सिर्फ एक बात कहूंगा, मैंने मामले को नहीं हटाया है। मुझे यकीन है कि किसी जज को इसकी जानकारी है कभी-कभी कुछ बातों को ना कहना ही बेहतर है।÷ वरिष्ठ अभिभाषक दुष्यंत दवे ने भी ÷इंडियन एक्सप्रेस÷ में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट में सब ठीक नहीं है बेंच के गठन एवं रोस्टर पर ध्यान देने की जरूरत है। ÷मिड डे÷ पत्रिका में अजाज अशरफ ने कोर्ट के फैसलों में किसी खास मुकदमे को किसी खास बेंच को सौंपने का विश्लेषण किया है। सौरभ दास ने 7 दिसंबर को ÷आर्टिकल 14÷ में लिखा कि मुख्य न्यायाधीश ही तय करता है कि कौन सा प्रकरण कौन सा जज सुनेगा या कौन सी पीठ सुनेगी। इसके लिए कोई नियम निर्धारित नहीं है।

निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति

सरकार ने एक अधिनियम लागू कर चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हेतु गठित कमेटी से सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। जबकि सीबीआई के निदेशक को नियुक्त करने वाली कमेटी में मुख्य न्यायाधीश हैं। नरीमन ने कहा कि चुनाव आयोग से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर उसके स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त मंत्री को कमेटी में लेने से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कल्पना बनकर रह जाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर मार्च 23 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सवाल उठाया गया था कि पंजाब केडर का एक अधिकारी अपनी मर्जी से सेवा निवृत हुआ और अगले ही दिन उसे चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। अपने फैसले में अदालत ने कहा था कि देश को घुटनों के बल झुक कर सरकार की हां में हां मिलाने वाला चुनाव आयुक्त नहीं चाहिए। न्यायालय ने कहा कि चुनाव आयुक्त ऐसा हो जो प्रधानमंत्री की भी जांच कर सके। प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त निर्वाचन आयुक्त प्रधानमंत्री की जांच कर सकेगा ? याद रखा जाना चाहिए कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पर्यवेक्षक मोहम्मद मोहसिन द्वारा प्रधानमंत्री के हेलीकॉप्टर की जांच की गई थी उस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। न्यायालय की इस टिप्पणी के बाद ही सरकार ने अधिनियम लाकर चुनाव आयुक्त को नियुक्त करने वाली कमेटी से मुख्य न्यायाधीश को हटाने का अधिनियम संसद में पारित कर दिया। इस अधिनियम को भी चुनौती दी गई है लेकिन यह चुनौती याचिका सर्वोच्च न्यायालय की प्राथमिकता में नहीं है। और चुनाव आयोग खुलकर पक्षपात कर रहा है।

पुरस्कृत और दंडित होते जज

गुजरात उच्च न्यायालय की पहली महिला जज को सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त किया गया। वह जज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उनके कार्यकाल में प्रशासन तंत्र में कानून सचिव रह चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय में उनके सामने आए आठ मुकदमों का विश्लेषण सौरभ दास ने किया। इन मुकदमों में उमर खालिद की जमानत, यूएपीए के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की आय से अधिक संपत्ति की जांच सीबीआई से करवाने, तमिलनाडु के मंत्री सेंसिल बालाजी की मेडिकल आधारित जमानत याचिका, भीमा कोरेगांव प्रकरण में महेश राव की जमानत याचिका का निपटारा सभी में सरकार के पक्ष में निर्णय हो गए। हरियाणा के नूंह में दंगे हो रहे थे। दंगों के बाद अतिक्रमण हटाने के नाम पर घरों और दुकानों पर बुलडोजर चले। इस पर ÷हिंदुस्तान टाइम्स÷ की लीना धनखड़ ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सरकार द्वारा 1208 मकानों, दुकानों को गिराया गया है। इनमें अधिकांश मुसलमानों के हैं। प्रकाशित इस रिपोर्ट पर स्वत-संज्ञान लेते हुए पंजाब- हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जीएस संघावालिया और हरप्रीत कौर जीवन ने बुलडोजर कार्यवाही पर रोक लगा दी और सरकार से पूछा कि क्या वहां नस्ली संहार चल रहा है ? तीन दिन बाद ही इस मुकदमे से दोनों जजों को हटाकर मुकदमा दूसरी बेंच को सौंप दिया गया।

जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस

जनवरी 2018 में सर्वोच्च न्यायालय के चार जजों ने देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर मुकदमों के आवंटन पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया की मुख्य न्यायाधीश कई महत्वपूर्ण केस अपनी पसंद की बेंच को देते हैं। यह भी कहा गया था कि केस को एक जज से लेकर दूसरे को देना उचित नहीं है, इससे गलत संदेश जाता है। पत्रकार वार्ता में न्यायाधीशों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट दबाव में है। इन जजों द्वारा उसे काल में उठाए गए सवाल आज भी मौजूं बने हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय उसी पुराने ढर्रे पर चल रहा है।

अवमानना का खतरा- सच बोलना जरूरी

एक साक्षात्कार में वरिष्ठ अभिभाषक प्रशांत भूषण ने कहा था कि शनै-शनै- जनता का न्यायपालिका से भरोसा कम होता जा रहा है। स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका के लिए जन आंदोलन जरूरी है। सच के लिए अवमानना का खतरा उठाने से नहीं डरना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामले की सुनवाई न करते हुए प्रकरण उच्च न्यायालय को भेज दिया। इससे इस धारणा को बल मिलता है कि विपक्ष का मुख्यमंत्री होने के कारण न्यायालय ने यह निर्णय लिया, ताकि सरकार को दिक्कत ना हो। वरिष्ठ अभिभाषक कपिल सिब्बल, दुष्यंत दवे सहित कई पूर्व जजों ने भी कोर्ट के रवैये पर हताशा जाहिर की।उन्होंने कहा कि बुलडोजर द्वारा लोगों के घर गिराए जा रहे हैं कोर्ट चुप है। अनेक मानव अधिकार कार्यकर्ता वर्षों से बिना न्यायालय के सामने प्रस्तुत किये जेलों में बंद है, उन्हें जमानत भी नहीं दी जा रही है। संविधान ने लोकतंत्र और मौलिक अधिकारों के रक्षा की जिम्मेदारी न्यायपालिका को दी है जिसे निभाने में वह असफल साबित हो रही है। प्रशांत भूषण ने कहा कि अडानी पर हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के मामले में न्यायालय ने सेबी की रिपोर्ट को बिना देखे ही उस पर भरोसा कर लिया और निर्णय दे दिया की सब कुछ ठीक है। सेबी ने अडानी पर दर्ज 24 में से 22 मामलों में उसे बरी कर दिया था। 1991 में भारत सरकार द्वारा ÷प्लेस ऑफ वरशिप एक्ट÷ लागू कर 15 अगस्त 1947 तक के धार्मिक स्थलों को यथावत रखने तथा किसी भी पूजा स्थल के परिवर्तन को रोकने के आदेश दिए थे। इसमें राम जन्मभूमि प्रकरण अपवाद माना गया था। बावजूद इसके न्यायालय ने ज्ञान व्यापी मस्जिद में अकादमी का अध्ययन के बहाने अन्वेषण की अनुमति दे दी। अल्पसंख्यकों और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर भरोसा रखने वाले लोगों का न्याय व्यवस्था पर विश्वास टूटने लगा है। प्रशांत भूषण ने कहा कि जर्मनी में जब हिटलर सत्ता में था तब वहां का न्याय तंत्र पूरी तरह ढह गया था। जज वही फैसला देते थे जो नाजी पार्टी चाहती थी। हिंदुस्तान भी उसी राह पर चल रहा है। वर्तमान में पूरा प्रशासनिक तंत्र, जांच एजेंसियां, निर्वाचन आयोग, मीडिया और कुछ अंशों तक न्यायपालिका भी सरकार के इशारे पर चल रही है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का मुद्दा सड़कों पर है। न्यायपालिका की निष्पक्षता के लिए बिना अवमानना की परवाह किए जन आंदोलन जरूरी है। भाजपा के पूर्व मंत्री एवं पत्रकार अरुण शौरी ने भी कहा था कि ÷सच कह रहे हैं तो अवमानना से नहीं डरना चाहिए।÷ न्यायपालिका और सरकार की जुगलबंदी तानाशाही और निरंकुशता लाएगी। चंडीगढ़ मेयर चुनाव प्रकरण, बुलडोजर द्वारा विध्वंस इसे प्रमाणित कर रहा हैं कि सरकार कुछ भी कर सकती है।

सुगंध के लिए फूलों पर छिड़का जा रहा इत्र...

दुकान फूलों की थी, इसलिए यह अलग-सी चीज के बारे में जब उससे पूछा गया तो उसने बताया कि यह सेंट यानी इत्र है। उसने आगे सवाल किए जाने पर उसने बताया कि इत्र को फूलों पर छिड़का जाता है, ताकि फूलों में खुशबू आ जाए। ऐसे ही संदर्भ के लिए शायद एक गीत की पंक्ति की रचना हुई होगी कि 'सच्चाई छिप नहीं सकती, बनावट के उसूलों से/ कि खुशबू आ नहीं सकती बनावट के फूलों से'! फूल के प्रतीक से किसी के व्यक्तित्व की व्याख्या करने का वह दौर चला गया। अब खुद फूलों को ही खुशबू के लिए बाहरी सहारे की जरूरत पड़ने लगी है। एक समय था जब अलग-अलग तरह के फूलों से इत्र बनाए जाते थे।

अनुपमा तिवाड़ी

कुछ समय पहले एक परिचित का जब मौजूदा जगह को छोड़ कर पैतृक शहर जाना तय हुआ तब उनकी विदाई को यादगार लम्हे में बदलने के लिए उनके सहकर्मी कोई सामान लाने बाजार गए। उन्होंने एक तोहफे के साथ फूलों का एक गुलदस्ता लिया। फूल बेचने और गुलदस्ता तैयार कर रहे व्यक्ति के पास में ही दो प्लास्टिक के छोटे पारदर्शी डिब्बे रखे थे, जिनके भीतर रंगीन खड़ी पतली-पतली कांच की शीशियां रखी थीं।

दुकान फूलों की थी, इसलिए यह अलग-सी चीज के बारे में जब उससे पूछा गया तो उसने बताया कि यह सेंट यानी इत्र है। उसने आगे सवाल किए जाने पर उसने बताया कि इत्र को फूलों पर छिड़का जाता है, ताकि फूलों में खुशबू आ जाए। ऐसे ही संदर्भ के लिए शायद एक गीत की पंक्ति की रचना हुई होगी कि 'सच्चाई छिप नहीं सकती, बनावट के उसूलों से/ कि खुशबू आ नहीं सकती बनावट के फूलों से' ! फूल के प्रतीक से किसी के व्यक्तित्व की व्याख्या करने का वह दौर चला गया। अब खुद फूलों को ही खुशबू के लिए बाहरी सहारे की जरूरत पड़ने लगी है। एक समय था जब अलग-अलग तरह के फूलों से इत्र बनाए जाते थे। अब 'हाइब्रिड' फूलों की खेती बहुतायत में होने के कारण फूलों

में खुशबू ही नहीं बची है और वे कागज के फूलों की तरह ही लगने लगे हैं। मजे की बात यह है कि वे कागज के फूल नहीं हैं, बल्कि सचमुच के फूल हैं। तो क्या अब आगे फूलों की सुगंध की बात तिलिस्मी लगने लगेगी? अब कृत्रिम खुशबू से फूलों को महकाया जा रहा है।

आजकल कितने ही होटलों और घरों में प्लास्टिक के फूल और बेलें सजावट के तौर पर सजाई जाती हैं। इन दिनों किसी भी शादी में जाया जाए, शादी के लिए तैयार उद्यान में प्लास्टिक के फूलों की सजावट की भरमार मिलेगी। लोगों के चेहरे उन फूलों को देखकर खिलते नहीं। कैसे खिलेंगे? वे फूल खुद ही नहीं खिलते। निर्जीव फूलों में जान नहीं हैं तो वे किसी को कैसे जीवंत रख सकते हैं?

एक सजीव पौधे को हम अपनी बगिया में लगाते हैं तो उसका बढ़ना देखते हुए प्रफुल्लित होते हैं। उसे देखते हुए उससे संबंधित कितने ही विचार दिमाग में कौंधते हैं। फूलदान में फूल लगाते हैं तो हम उसके खिले रहने और मुरझाने को देखते हैं, क्योंकि वहां जीवन है। जहां जीवन नहीं, वहां कैसा खिलना और कैसा मुरझाना?

अब कितने ही खाने के रंग और सुगंध, जो प्राकृतिक रूप से भोजन की थाली में होते थे, वे धीरे-धीरे गायब होते जा रहे हैं। अब हर व्यंजन के लिए बाजार में कृत्रिम सुगंध और रंग उपलब्ध हैं। त्योहारों पर कृत्रिम मावा और व्यंजनों की चमक-दमक दिखाने के लिए खाने की सुगंध और रंगों का खूब इस्तेमाल किया जाता है। सुगंध और खाने के रंग गुर्दे, यकृत को भारी नुकसान पहुंचाते हैं।

नियमित रूप से या कभी-कभी भी कृत्रिम खुशबू, जिसमें 'रूम फ्रेशनर' यानी कमरे में खुशबू बिखेरे वाले रसायन, परफ्यूम और यहां तक कि सुगंधित मोमबत्तियों और अगरबत्तियों में अनेक प्रकार के रसायन होते हैं जो कई प्रकार की एलर्जी, श्वसन संबंधी रोग, कैंसर, माइग्रेन, सिरदर्द और अस्थमा जैसी बीमारियों को जन्म देते हैं।

अनेक प्रकार के सौंदर्य प्रसाधनों से सांस लेने में कठिनाई और त्वचा के रोग होने की संभावना होती है। सौंदर्य प्रसाधन के अन्य साधन वे कम-ज्यादा चेहरे और शरीर के अन्य अंगों को नुकसान ही पहुंचाते हैं। ये सुंदर बनने के लिए क्षणिक नुस्खे या पैकेज की तरह हैं, जो हमें कुछ समय के लिए सुंदरता तो प्रदान करते लगते हैं, लेकिन इनका शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

यह एक तरह से बनावटी तौर-तरीकों में सुंदरता देखने का मसला है। वह सुंदर है जो दिखता है। बनावटी सौंदर्य, बनावटी चेहरे, बनावटी हंसी यहीं तक नहीं रुकती। वह हमारे जीवन में उस ओर ले कर जाती है, जिसमें जो दिखाई दे रहा है, वह है ही नहीं। बाजार चकमा देने पर उतारू है और हम चकमा खाने पर। ऐसे में हम अनजाने में ही बनावटीपन को पसंद करने लगते हैं। उसका महत्व हमारे जीवन में बढ़ता जाता है, जिसमें सब कुछ एक समय के बाद खोखला लगने लगता है।

बात और आगे बढ़ती है और ये फिर रिश्तों की ओर भी जाती है। बहुत से रिश्ते बनावटी बनते जाते हैं और फिर बहुत से लोगों की भीड़ से घिरे रहने के बाद भी कई बार हम अपने को अकेला महसूस करने लगते हैं। बनावटीपन से हम कुछ समय के लिए तारीफ भले ही बटोर लें, लेकिन चेहरे के पीछे छिपा सच चेहरे पर आ ही जाता है। आज महानगरों की चमचमाहट आदमी को इस कदर बेचैन करने लगी है कि अब लोग सप्ताहांत जैसी छुट्टियां मनाने गांवों, जंगलों की ओर जाने लगे हैं। इसके पीछे कितना प्रकृति प्रेम है और कितना भीड़ में शामिल होने और दूसरों के मुकाबले श्रेष्ठताबोध की भूख, कहा नहीं जा सकता।

अब अलग-अलग राज्य की संस्कृति की झलक दिखाते रेस्तरां लोगों को लुभाने लगे हैं। आखिर इंसान शायद लंबे समय तक बनावटीपन के साथ नहीं रह सकता। उसे सुकून तो असलियत में ही चाहिए और यह सुकून भी तब ही मिल सकता है, जब चीज असली हो। मूल रूप से आदमी को सादगी में सौंदर्य ही अधिक लुभाता है, जिसमें सब कुछ कितना सधा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

डीएवीवी विद्यार्थियों को सिखाएगा मरीजों की देखभाल करना

इंदौर। एकल परिवार होने से घर में मरीजों की देखभाल करना अहम विषय है। यही वजह है कि अब कुशल पेशेंट केयर असिस्टेंट की जरूरत महसूस होने लगी है, वह ताकि वह मरीजों का ख्याल रखने के अलावा उन्हें दवा व इंजेक्शन देने के साथ बाकी जरूरी काम भी कर सके। इन बातों को ध्यान में रखते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय तीन महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने जा रहा है। 20 सीटों वाले इस पाठ्यक्रम की शुरुआत अप्रैल से होगी। विश्वविद्यालय और अस्पताल के बीच अनुबंध किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मुताबिक कुशल पेशेंट केयर असिस्टेंट की डिमांड बढ़ गई है। अस्पताल और घर में मरीजों का देखभाल के लिए अच्छा वेतन भी दिया जाना लगा है। विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा वर्सेटाइल सोसायटी एवं निजी अस्पताल के साथ मिलकर तीन माह अवधि वाला पेशेंट केयर असिस्टेंट का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जा रहा है

पेशेंट केयर असिस्टेंट की बढ़ रही है मांग

इस कोर्स का उद्देश्य मरीज़ की देखभाल के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उन्हें कुशलता से कार्य करने के लिए तैयार करना है, क्योंकि परिवार में वृद्धजनों अथवा अन्य सदस्यों को चिकित्सा संबंधी जरूरतों व देखभाल के लिए कुशल सहायकों के लिए अस्पताल से संपर्क किया जाता है। मगर इनकी बढ़ती डिमांड के चलते अस्पतालों में भी जरूरत पड़ने लगी है। इसके लिए परिवार 20 से 30 हजार रुपये हर महीने खर्च करने को तैयार है।

पाठ्यक्रम में 20 से 30 सीटें

इन दिनों पेशेंट केयर असिस्टेंट सप्लाई करने के लिए भी आउटसोर्सिंग एजेंसी है, मगर उनके पास प्रशिक्षित व्यक्ति नहीं है। इसके चलते केंद्र पाठ्यक्रम तैयार करने में लगा है। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रैक्टिकल नॉलेज भी दिया जाएगा। केंद्र की प्रभारी डा. माया इंगले ने बताया कि कोर्स की फीस नाममात्र रखी जाएगी। प्रवेश संबंधित पात्रता में कम से कम 12वीं उत्तीर्ण अनिवार्य रखा है। पाठ्यक्रम में 20 से 30 सीटें रखी जाएंगी। कोर्स पूरा होते ही अस्पतालों में ट्रेनिंग देंगे। कक्षाएं अप्रैल से शुरू की जाएंगी।

साइबर सुरक्षा प्रबंधन पर ई-लर्निंग प्रशिक्षण

इंदौर। ई-रिकार्ड डेटा चोरी और साइबर फ्रॉड की घटनाओं को रोकने, कम्प्यूटर-इंटरनेट, मोबाइल, एटीएम, डिजिटल सिग्नेचर, ईमेल, आधार कार्ड के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) द्वारा 8 दिवसीय साइबर सुरक्षा प्रबंधन पर ई-लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन दो घण्टे ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान 16 व्याख्यानों की व्यवस्था की गई है। सेडमैप की कार्यकारी संचालक श्रीमती अनुराधा सिंघई ने बताया कि आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य आई.टी. कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है, जिसमें केन्द्र और राज्य सरकार के इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गृह मंत्रालय एवं राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा पालिसी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है, ताकि कार्यालयों में साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क स्थापित कर, उसे बनाए रखा जा सके। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण से आई.टी. संसाधनों के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा साथ ही सूचना की सुरक्षा तथा कार्यस्थल पर साइबर क्राइम, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, सुरक्षा उपाय एवं रोकथाम, साइबर फ्रॉड की शिकायत एवं क्षतिपूर्ति की प्रक्रिया, ई-गवर्नेंस एवं कम्प्यूटर संसाधनों से सम्बंधित कानून, सुरक्षित बैंकिंग आदि पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त इच्छुक व्यक्तियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जाएगा। 20 मार्च से प्रारंभ होने वाले प्रशिक्षण के लिए इच्छुक व्यक्ति 15 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं।

लहसुन हुआ सस्ता तो अब बढ़ गए प्याज के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। लहसुन के बढ़े दाम से लोगों को राहत मिलने के बीच अब प्याज महंगा हो गया है। शुक्रवार के अपेक्षा शनिवार को आजादपुर सब्जी मंडी में प्याज के थोक दाम में 2 से 3 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में प्याज के दाम और बढ़ सकते हैं। जानकारी के मुताबिक विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक मार्च को एक अधिसूचना जारी की है। इसमें केंद्र सरकार ने नैशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से बांग्लादेश को 50 हजार टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। जिसके बाद शनिवार को सब्जी मंडी में अचानक प्याज के दाम बढ़ गए।

आजादपुर मंडी ओनियन ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रधान श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि केंद्र सरकार ने बांग्लादेश के साथ दुबई में प्याज निर्यात करने का फैसला लिया है। जिसका असर शनिवार को ही सब्जी मंडी में देखने को मिल गया। शुक्रवार

को जो प्याज 16 से 24 रुपये प्रति किलो थोक दाम में बिक रहा था वही प्याज शनिवार को 17 से 27 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिका। श्रीकांत के अनुसार आने वाले दिनों में प्याज के दाम में और उछाल आने के संकेत मिल रहे हैं। श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि दिल्ली में हर रोज 70 से 80 गाड़ियां प्याज की आती हैं। लेकिन, सरकार द्वारा प्याज एक्सपोर्ट करने के फैसले से मंडी में प्याज के दाम में उछाल आने लगा है।

एक्सपोर्ट का गणित

प्याज कारोबारियों के मुताबिक, दिसंबर 2023 से प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी गई थी। जिसके बाद से एक्सपोर्टर परेशान थे। लेकिन 1 मार्च को सरकार के द्वारा एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसमें सरकार एनसीईएल के जरिए एफपीओ से निर्धारित दाम में खरीद करेगी। जिससे मार्केट में प्याज की डिमांड बढ़ जाएगी। हालांकि, इससे थोक कारोबारियों को दिक्कत होगी। क्योंकि कारोबारियों को भी महंगे दर पर प्याज खरीदना पड़ेगा। एक प्याज कारोबारी ने बताया कि प्याज के इस एक्सपोर्ट से कारोबारियों को कोई राहत नहीं मिलने वाली है। हालांकि, अगर सरकार कारोबारियों को खुद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती तो बड़ी राहत मिलती।

भारत ने यूएई, बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज एक्सपोर्ट की दी अनुमति, वाणिज्य मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दे दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। बांग्लादेश को जहां 50,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है, वहीं यूएई को 14,400 टन प्याज का निर्यात किया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, ''एनसीईएल के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात को तिमाही 3,600 टन की सीमा के साथ 14,400 टन प्याज का निर्यात अधिसूचित किया गया है। डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय की इकाई है जो आयात और निर्यात से संबंधित मानदंड को देखती है। बांग्लादेश को निर्यात के बारे में कहा गया है कि इसका तौर-तरीका एनसीईएल उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ विचार-विमर्श में तय करेगा। हालांकि, प्याज के निर्यात पर अभी प्रतिबंध है लेकिन सरकार कुछ मित्र देशों को एक निश्चित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति देती है। इस निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों से मिले अनुरोधों के आधार पर दी जाती है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले केंद्र ने अक्टूबर, 2023 में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुदरा बाजार में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर स्टॉक के प्याज की बिक्री बढ़ाने का फैसला किया था। कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार पहले भी कई कदम उठा चुकी है। सरकार ने 28 अक्टूबर को 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज निर्यात पर 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगाया था। अगस्त में भारत ने प्याज पर 31 दिसंबर, 2023 तक 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया था।

एफडी की ब्याज दरें उच्च स्तर पर पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती ब्याज दरों के कारण पहले से अधिक लोग सावधि बचत योजनाओं में इन्वेस्ट कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, कुल बैंक जमाओं में ऐसे निवेश माध्यमों की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 में बढ़कर 60.3 पर्सेंट हो गई है। यह आंकड़ा मार्च 2023 में 57.2 पर्सेंट था।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर, 2023 के दौरान कुल जमाओं में जो वृद्धि हुई, उसमें एफडी की हिस्सेदारी लगभग 97.6 पर्सेंट थी। इस दौरान चालू खाता और बचत खाता जमा की हिस्सेदारी में गिरावट हुई। केंद्रीय बैंक का कहना है कि सावधि जमाओं पर बढ़ता प्रतिफल बैंक जमाओं में संरचनात्मक बदलाव ला रहा है।

अधिक ब्याज वाली श्रेणी में अधिक पैसा लगाया

आरबीआई के अनुसार, अधिक ब्याज दर वाली श्रेणी में धनराशि जमा की जा रही है। कुल सावधि जमाओं में सात पर्सेंट से अधिक ब्याज दर वाली एफडी की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 में बढ़कर 61.4 पर्सेंट हो गई। यह आंकड़ा इससे एक तिमाही पहले 54.7 पर्सेंट और मार्च 2023 में 33.7 पर्सेंट था। देश में एफडी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि 2 करोड़ 42 लाख कुल एफडी में करीब 103 ट्रिलियन (करीब 103 लाख करोड़ रुपये) की रकम जमा है। यानी देश में प्रति एफडी औसतन 4.25 लाख रुपये का निवेश किया गया है। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। सर्वे में यह भी कहा गया है कि एफडी लोगों के लिए सबसे पसंदीदा निवेश का विकल्प है।

एफडी की ब्याज दरें उच्च स्तर पर

इस समय एफडी की ब्याज दरें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। बीते कई दिनों में बैंकों ने अलग-अलग समय अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं और वे सात फीसदी या इससे अधिक का भी ब्याज दे रहे हैं। निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा वक्त में उपभोक्ताओं के लिए एफडी में निवेश का यह सबसे अच्छा मौका है।

इसलिए बढ़ी हुई हैं ब्याज दरें

दरअसल, रिजर्व बैंक ने पांचवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट अभी 6.5 फीसदी के स्तर पर हैं। जब भी इसमें कोई बदलाव होता है तो उसका सीधा असर एफडी पर मिलने वाली ब्याज दरों पर पड़ता है। जब रेपो दर में कटौती होती है तो एफडी पर मिलने वाला ब्याज भी कम हो जाता है। बढ़ोतरी होने पर बैंक अपने पास नकदी को आकर्षित करने के लिए ब्याज बढ़ा देते हैं।

मूडीज ने 2024 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को 2023 के उम्मीद से मजबूत आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए 2024 कैलेंडर वर्ष के लिए भारत के विकास के अनुमान को पहले के अनुमानित 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। कैलेंडर वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत का विस्तार हुआ, जिसके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष 2023 की बात करें तो जीडीपी में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा कि सरकार की ओर से किए गए पूंजीगत खर्च और मजबूत विनिर्माण गतिविधि ने 2023 में मजबूत विकास परिणामों में सार्थक योगदान दिया है। इसके कारण जीडीपी के आंकड़ों में वृद्धि दिख रही है।

मूडीज ने कहा है कि वैश्विक चुनौतियों के कम होने के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था आराम से 6-7 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज करने में सक्षम हो सकती है। मूडीज ने कहा, भारत की अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है और 2023 में उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के बाद हमने अपने 2024 के विकास अनुमान को 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज ने 2024 के लिए अपने वैश्विक वृहद आर्थिक परिदृश्य में कहा, भारत पूर्वानुमानों के अनुसार के अनुसार जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाला देश बना रहेगा। 2025 के लिए, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.4 प्रतिशत अनुमानित है।

मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में मजबूती, वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी, उपभोक्ताओं के रुझान और दोहरे अंक में ऋण वृद्धि से पता चलता है कि शहरी उपभोग मांग में लचीलापन बना हुआ है। मूडीज ने आपूर्ति पक्ष पर कहा कि विनिर्माण और सेवाओं के पीएमआई का विस्तार ठोस आर्थिक गति को बदल देता है।

2 दिन 9 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ पर दांव लगाने का आज आखिरी मौका है। कंपनी का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 फरवरी 2024 को ओपन हुआ था। वहीं, निवेशकों के पास 4 मार्च यानी आज तक दांव लगाने का मौका है। पहले 2 दिनों के दौरान निवेशकों ने आईपीओ को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स दिखाया है। बता दें, ग्रे मार्केट में भी कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। जोकि दमदार लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। मुक्का प्रोटिन्स आईपीओ का प्राइस बैंड 26 रुपये से 28 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 535 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,980 रुपये का दांव लगाना पड़ेगा।

ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है। आईपीओ का जीएमपी 25 रुपये है। यानी अगर लिस्टिंग तक ग्रे मार्केट का यही ट्रेंड बरकरार रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 53 रुपये पर लिस्ट हो सकती

है। अगर ऐसा हुआ तो निवेशकों को पहले दिन ही 89 प्रतिशत का फायदा हो सकता है। आईपीओ को पहले 2 दिनों में 9 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला है। ऐसे में आज भी निवेशकों की तरफ से बेहतर रुझान देखने को मिल सकता है। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ का साइज 224 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए निवेशकों को 8 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी।

बता दें, शेयरों का अलॉटमेंट 5 मार्च और लिस्टिंग 7 मार्च को हो सकती है। कंपनी बीएसई और एनएसई दोनों जगह लिस्ट होगी।

बैंकों के कुल जमा में बढ़कर 60.3 प्रतिशत हिस्सेदारी, बढ़ती ब्याज दरों से लोग सावधि जमा में दिखा रहे रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोग सावधि बचत योजनाएं यानी टर्म डिपॉजिट में अब ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, कुल बैंक जमा में इस साधन की हिस्सेदारी दिसंबर में 60.3 प्रतिशत हो गई है। मार्च में यह 57.2 प्रतिशत थी। अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान सावधि जमा का हिस्सा कुल जमा का लगभग 97.6 प्रतिशत।

आरबीआई के मुताबिक, चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमा के शेयरों में गिरावट आई है। ग्राहक इस दौरान ज्यादा ब्याज वाले

साधनों में निवेश कर रहे हैं। ऐसे साधनों पर सात फीसदी से अधिक ब्याज मिल रहा है। सात फीसदी से ज्यादा ब्याज वाले टर्म डिपॉजिट की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 में कुल सावधि जमा का 61.4 प्रतिशत रही। एक तिमाही पहले यह हिस्सेदारी 54.7 प्रतिशत और मार्च में 33.7 प्रतिशत थी।

2.5 फीसदी बढ़ी थी रेपो दर

आरबीआई ने कोरोना के दौरान घटी ब्याज दरों को मई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 के दौरान 2.5 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। कुल जमा में वरिष्ठ नागरिकों का हिस्सा 20.1 फीसदी रहा है। बैंकों के जमा में महिला ग्राहकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अक्तूबर-दिसंबर के दौरान कासा, सावधि और कुल जमा में उनकी हिस्सेदारी क्रमशः 63.4 प्रतिशत, 36.1 प्रतिशत और 40.1 प्रतिशत थी। कुल जमा में महिलाओं की हिस्सेदारी दिसंबर, 2023 तिमाही में 20.6 फीसदी रही है जो एक साल पहले समान तिमाही में 20.2 फीसदी थी।

Ola tops list of EV parents, TVS follows in second place

IPO-bound Ola Electric has emerged as the leading patent publisher in the country for the w®ww-wx period. According to data from Intellectual Property India, Ola Electric has published w®z patents in the EV and EV-related technologies space, surpassing its competitors. TVS follows in second place with vz{ published patents, while Suzuki, Honda, and BYD hold third, fourth, and fifth place respectively, with l}, ll, and z} published patents.

Ola Electric aims to raise Rs z,z®® crore through its IPO by issuing new shares. The company's draft papers filed with Sebi show that some e&isting shareholders will also be selling over ~.z crore shares. Out of the funds raised, Ola Electric plans to allocate Rs v,{®® crore for research and development (R&D), highlighting the importance of innovation in its business model.

With R&D centers in India, the UK, and the US, Ola Electric is dedicated to designing and developing new EV products and core components. Its R&D efforts focus on battery technology, software related to EVs, vehicle safety and security, controllers, motors and transmissions, as well as vehicle body components, artificial intelligence, and other related technologies. Notably, Ola Electric has also applied for patents in the EV technology space outside of India, with v® registered patents and x| patent applications pending in countries such as the US, UK, China, Japan, and Australia. Over the past three years, Ola Electric has invested over Rs |wz crore in R&D, with an additional Rs ~x crore invested in the first quarter of fiscal w®wy, as stated in its IPO draft papers. As Ola Electric leads the way in patent publishing, it demonstrates its commitment to driving innovation and advancing the EV industry. With its IPO on the horizon, the company's focus on R&D and technology remains at the core of its future endeavors.

सोने-चांदी की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी सिस्टम पर 5 अप्रैल 2024 की डिलीवरी वाला सोना सोमवार सुबह 0.16 फीसदी या 102 रुपए की गिरावट के साथ 63,461 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं चांदी के वायदा भाव बात करें तो यह 72,038 रुपए पर ट्रेड करती दिखी।

एमसीएक्स पर 3 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी सोमवार सुबह 0.33 फीसदी या 240 रुपए की गिरावट के साथ 72,038 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी। खबर लिखते समय यह 71,963 रुपए पर कारोबार कर रही थी। सोने के वैश्विक भाव सोमवार सुबह गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। कॉमेक्स पर सोना 0.30 फीसदी या 6.30 डॉलर की गिरावट के साथ 2089.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोना हाजिर 0.10 फीसदी या 2.01 डॉलर की गिरावट के साथ 2080.91 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की वैश्विक कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। कॉमेक्स पर चांदी का भाव 0.45 फीसदी या 0.10 डॉलर की गिरावट के साथ 23.26 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी हाजिर 0.32 फीसदी या 0.07 डॉलर की गिरावट के साथ 23.05 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग को रेलवे ने दिया 447 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग के शेयरों में आज 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी शेयरों में सोमवार को होने वाली इस उछाल के पीछे की वजह इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हैं। कंपनी ने बताया है कि उन्हें साउथ सेंट्रल रेलवे की तरफ से 447 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें साउथ रेलवे से मिले वर्क ऑर्डर में ट्रैक को डबल करना और सिंग्नल को सही करना शामिल है। बता दें, सोमवार को लगातार चौथा कारोबारी सत्र था जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में उछाल देखने को मिली थी। इससे पहले कंपनी को 1 मार्च को ईस्ट रेलवे की तरफ से 772 करोड़ रुपये का काम मिला था। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में तब कहा था कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए उन्हें 36 महीने का समय मिला है। कंपनी को बिहार में 66.88 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक को डबल करना है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 22 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, स्टॉक बीते 6 महीने के दौरान 0.64 प्रतिशत टूट गया है। वहीं, पोजीशनल निवेशकों को एक महीने में 2.57 प्रतिशत टूट गया है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि बीते 5 दिनों के दौरान कारोबारी सत्रों में उछाल देखने को मिली है। शेयर बाजार में कंपनी का 52 वीक हाई 1016.75 रुपये प्रति शेयर और 52 वीक लो लेवल 738.50 रुपये प्रति शेयर है।

घर में लगाएं ये पौधे नहीं होंगे मच्छर

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाएं जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगाते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- **नीम-** इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़ें भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- **मिंट-** मिंट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- **यूक्लेप्टस-** इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- **लेमन ग्रास-** इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की नस्ल की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- **तुलसी-** तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़ें भी आसपास नहीं आते हैं।

नए रिश्ते की शुरूआत में गलतफहमियों से बचें

जब एक जोड़ा शादी के बंधन में बंधता है तो उसके मन में एक अजीब सा उत्साह होता है। अपने नए रिश्ते और जीवन में आए बदलाव को लेकर बहुत सी खुशियां व सपने उसकी आंखों में होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पार्टनर को लेकर एक छवि पहले से ही उनके मन में होती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इसी अति उत्साह के चलते वह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनके रिश्ते पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी तो यही गलतियां उनके रिश्ते की शुरूआत में ही उनके बीच समस्या पैदा कर देती हैं। जिसकी भरपाई बाद में भी कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर नए रिश्ते की शुरूआत में ही गलतफहमियां या खटास आ जाए तो ऐसे में ताउम्र उनके बीच खींच-तान बनी रहती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें किसी भी कपल को शादी के बाद शुरूआती दिनों में करने से बचना चाहिए-

परफेक्शन की चाहत रखना

हो सकता है कि आपको हर काम सलीके से करने की आदत हो या फिर आप एक आर्गेनाइज्ड जीवन जीना पसंद करते हों। लेकिन आपके पार्टनर का भी स्वभाव ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। आपको यह समझना होगा कि आपके और आपके पार्टनर दोनों अलग माहौल में पले-बढ़े हैं और दोनों का स्वभाव अलग है। इसलिए, शादी के तुरंत बाद ही अपने पार्टनर से परफेक्शन की चाहत रखना या फिर उसे अपने ही सांचे में ढालने का प्रयास करना आपके बीच तनाव पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि आप दोनों ही पहले एक-दूसरे के स्वभाव, आदतों व रहन-सहन को समझें और फिर उसके बाद तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

जरूरत से ज्यादा उम्मीदें करना

यह भी एक ऐसी मिसटेक है, जो शादी के बाद कपल्स में देखी जाती है। दरअसल, कपल्स की शादी के बाद अपने पार्टनर से उम्मीदें काफी हद तक बढ़ जाती हैं। वह सोचते हैं कि पार्टनर हर दिन उन्हें बाहर लेकर जाएगा या फिर वह ढेर सारा वक्त साथ बिताएंगे या फिर उनका पार्टनर उन्हें तरह-तरह के तोहफे देगा। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के लिए हर दिन ऐसा करना संभव नहीं होता है, जिससे समस्या होती है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने पार्टनर के लिए ऐसा करता भी है, तो भी बाद में उनके रिश्ते में खटास आ जाती है। दरअसल, एक समय के बाद व्यक्ति अपने रोजमर्रा की लाइफ जीने लगता है और फिर पार्टनर को उतना पैम्पर नहीं कर पाता है, जिससे उनके बीच झगड़े बढ़ते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि शादी के शुरूआती दिनों में ही आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन से लेकर काम की व्यस्तताओं और स्वभाव के बारे में अपने पार्टनर से चर्चा करें।

परिवार के बीच बैलेंस ना कर पाना

अक्सर यह देखने में आता है कि व्यक्ति शादी के बाद भी पहले की तरह ही अपना जीवन बिताने की कोशिश करता है, जिससे उसके पार्टनर को उपेक्षित महसूस होता है और संबंधों में खटास महसूस होती है। यहां आपको यह समझना चाहिए कि एक सिंगल व्यक्ति के रूप में और कपल के रूप में आपकी प्राथमिकताएं अलग होती है। आपको शादी के बाद अपने परिवार व पार्टनर के बीच बैलेंस करना बेहद आवश्यक है। इस समय आपकी पहली प्राथमिकता आपका जीवनसाथी और नया जीवन है जिसे आपको अभी संवारना है। हालांकि, यहां इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपने परिवार को बिल्कुल अनेदखा कर दें। बस आपको अपने पार्टनर को कुछ वक्त अलग से देने की आवश्यकता होगी, जो सिर्फ आप दोनों के लिए ही हो।

दूसरों से बात करने में होती है हिचकिचाहट तो अपनाएं ये टिप्स

आज के दौर में बहुत ज्यादा हिचकिचाहट निजी लाइफ और करियर के लिए गंभीर समस्या है, जब हम किसी से भी बातचीत करते हैं और बोलते समय हिचकिचाते हैं, तो हमारी इमेज खराब होने का डर रहता है और हम अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। साथ ही, सबसे पहले हमें समझना होगा कि हिचकिचाहट क्या होती है? जब हम किसी से बात करते हैं और उनके सवालों का जवाब जानते हुए भी जवाब नहीं दे पाते हैं या गलत जवाब के डर से चुपचाप रहते हैं तो उसे हिचकिचाहट कहते हैं। ये समस्या कई लोगों में होती है, जिसका नतीजा होता है कि हमारे हक की चीजें किसी दूसरे को मिल जाती हैं और हम सोच-सोचकर परेशान होते रहते हैं कि क्या करना चाहिए। अगर आपको भी दूसरों से बोलने में हिचकिचाहट होती है तो घबराएं नहीं, हम आपके के लिए इस आर्टिकल कुछ ऐसे टिप्स लाएं है, जिसको फॉलो कर आप अपनी समस्या को दूर कर पाएंगे।

खुद पर करें विश्वास

हिचकिचाहट को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है कि खुद पर विश्वास करना। अगर आपको किसी से बात करने की जरूरत है तो आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप कैसे बात करेंगा? जवाब में क्या आएगा और वो आपके बारे में क्या सोचेंगे? आपको अपने आप पर विश्वास रखना चाहिए और डर पर काबू पाकर खुद को भरोसा दिलाएं कि आप अपनी बात दूसरों के सामने अच्छी तरीके से रख पाएंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा।

जानकारी प्राप्त करें

जब हम किसी से बात करते हैं तो हिचकिचाहट सबसे ज्यादा उस समय पैदा होती है, जब बातचीत के दौरान हमारे पास उस विषय के बारे में जानकारी की कमी होती है। इसलिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़नी चाहिए। याद रखें कि जिस भी विषय पर आप बात करने वाले हैं, उस पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटा लें, जिससे आपको अपनी बात रखने में हिचकिचाहट नहीं होगी।

हमेशा प्रैक्टिस करें

हर काम को सही तरीके करने के लिए प्रैक्टिस बहुत जरूरी होती है, जिससे आपका हुनर निखरता है। इसी तरह हिचकिचाहट को दूर करने के लिए बोलने की प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, लेकिन सवाल उठता है कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में किस के साथ बातचीत करें? तो आप शीशे के सामने खड़े होकर सोचें की शीशे के सामने कोई खड़ा है और ज्यादा से ज्यादा रोज बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जिससे आपको कुछ दिनों में महसूस होगा कि आप अपनी बात दूसरे के सामने आसानी से रख पा रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कान रखें

चेहरे पर मुस्कान रखना जीवन शैली में जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारी बातचीत पर पड़ता है। अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो चेहरे पर मुस्कान रखें। जिससे आप बिना हिचकिचाहट के आसानी से बात कंप्लीट कर लेंगे। चेहरे पर मुस्कान से मानसिक तनाव कम होने के साथ-साथ आपके अंदर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पॉजिटिव सोच

पॉजिटिव सोचना जीवन में बहुत जरूरी होता है, क्योंकि पॉजिटिव सोचने से आत्मविश्वास बढ़ता है, यही कारण है कि आप धीरे-धीरे खुद बात करने में माहिर होने लगते हैं। अगर आप पॉजिटिव सोच रखते है तो आपको नर्वस फील नहीं होगा और बिना हिचकिचाहट के दूसरे के आसानी के बात रख सकते हैं। और आप खुद में बदलाव देखेंगे कि किसी सोशल मौके पर आपको घबराहट नहीं हो रही है। अगर आपको बोलते समय हिचकिचाहट होती है तो ये टिप्स को फॉलो करने की कोशिश करें और अगर फिर भी समस्या होती है तो किसी एक्सपर्ट से बात जरूर करें।

पुरानी मैगजीन की मदद से किचन की सजावट के लिए बनाएं ये चीजें

आजकल लोग अपने घर में ओपन किचन थीम रखना पसंद करते है। इससे आपके हॉल में बैठा गेस्ट आपके किचन को देख सकता है। अगर आप भी अपने किचन की सजावट करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे पुरानी मैगजीन की सहायता से अपने किचन की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

वॉल डेकोर

कीचन की सजावट करने के लिए आपको सबसे पहले किचन के वॉल को सजाना होगा। अगर आपका वॉल डेकोर नहीं होगा तो यह आपके घर के लुक को फीका कर सकता है। ऐसे में आपको पुराने कार्ड बोर्ड की जरूरत होगी और ग्लू की भी। आपको मैगजीन से तीन स्क्वायर शेप का पेपर कट करना होगा। इसे पुराने कार्ड बोर्ड पर चिपका देना है। अब आप इसे अपने कीचन के वॉलपेपर हैंग कर सकते हैं। इससे आपके कीचन का वॉल खराब भी नहीं होगा और यह देखने में खूबसूरत भी लगेगा।

वॉल पर करें पेंटिंग

अगर आपको पेंटिंग करने का शोक है तो आपको अपने घर के वॉल पर पेंटिंग करना चाहिए। जी हां, आप वाटर कलर की मदद से अपने कीचन के दीवार पर कुछ खास पीने का चित्र तैयार कर सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। वाटर कलर की मदद से आपको कुछ फल या सब्जी का फोटो बना दे। इसके बाद आपको मिरर फ्रेम तैयार करना चाहिए। इसके लिए आपको पुराना फ्रेम लेना है और उसमें मैगजीन को काटकर फोटो की तरह लगा देना है। साइज का ध्यान जरूर रखें। इसके बाद आपका वॉल बनकर तैयार हो गया है।

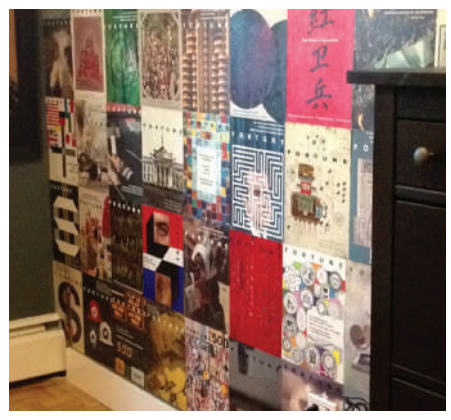

वॉल डेकोर के लिए फूल बनाएं

अगर आपको एक्स्ट्रा एक्टिविटी करना है तो आपको अपने वॉल डेकोर के लिए दीवार पर फूल बनाना होगा। यह देखने में खूबसूरत लगता है और इसे आप चाहे तो पुरानी मैगजीन की मदद से बना सकती है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको कुछ मैगजीन के पन्ने को काटना होगा। फिर इसकी मदद से आपको फूल बनाना होगा। इसे अलग- अलग जगह आप ग्लू की मदद से चिपका सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

फेमस होने के लिए लड़ते हैं गुस्सैल बच्चे

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि बच्चे समूह में अपनी स्थिति को मजबूत करने और अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए सहपाठियों के साथ अक्सर लड़ाई-झगड़े करते हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष में प्रकाशित हुए हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला है कि छात्रों की आक्रामकता और उनकी लोकप्रियता में वृद्धि के एक साथ जुड़े थे। विशेष रूप से उन बच्चों के लिए जिनकी साथियों के साथ लगातार असहमति की सूचना थी। एफएयू के चार्ल्स ई.श्मिट कॉलेज में मनोविज्ञान के वरिष्ठ लेखक और प्रोफेसर ब्रेट लॉरसन ने कहा, हालांकि हमें लगता है कि यह संभावना नहीं है कि केवल विवाद ही लोकप्रियता का आधार है। इसके पीछे और भी कारण होते हैं,लेकिन विवाद के पीछे लोकप्रिय होने की सोच भी काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, आक्रामक बच्चे जो अक्सर लड़ते हैं, उन्हें हमेशा जबरदस्ती सहारा लेने की आवश्यकता नहीं होती है। उनका केवल अप्रिय व्यवहार की संभावना दूसरे छात्रों को उनकी बात मानने पर मजबूर कर देता है। यह अध्ययन फ्लोरिडा के आठ से 12 वर्ष की आयु वाले प्रतिभागियों के बीच किया गया, जो एक प्राथमिक विद्यालय में भाग ले रहे थे। शोधकर्ताओं ने कहा, गुस्सैल बच्चों के लिए उनका व्यवहार समूहों में काफी प्रभावकारी होता है। ऐसे बच्चों की बात को मना करने के लिए अन्य बच्चे जोखिम नहीं उठाना चाहते क्योंकि उन्हें बुरे परिणाम की संभावना होती है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह एक प्रभावी उपकरण हो सकता है, जो विशिष्ट विशेषताओं को बढ़ाता है। ब्रेट ने कहा, हम यह दावा नहीं करते हैं कि इस तरह से इस्तेमाल की गई रणनीति हमेशा भलाई के लिए एक स्वस्थ मार्ग प्रस्तुत करते हैं। बल्कि संघर्ष के परिणाम संदर्भ, उद्देश्यों और इसे प्रबंधित करने के तरीकों पर निर्भर करते हैं। हम दावा करते हैं कि असहमति एक कुशल सामाजिक रणनीति हो सकती है, जो प्रभुत्व में जबरदस्ती के निहित खतरे का लाभ उठाती है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से

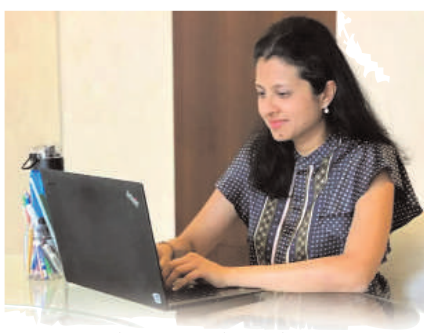

आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

विमेंस प्रीमियर लीग

इतिहास में पहली बार हुआ इस नियम का इस्तेमाल, गुजरात जाएंट्स ने बीच मैच में बदला खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात जाएंट्स की ऑलराउंडर सयाली सतघरे महिला प्रीमियर लीग में पहली बार कन्कशन सब्स्टीट्यूट बनीं। 3 मार्च, रविवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच विमेंस प्रीमियर लीग 2024 मैच के दौरान सयाली ने दयालन हेमलता की जगह ली। दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 15वें ओवर के दौरान कैथरीन ब्राइस की गेंद पर डीप मिडविकेट पर कैच लेने का प्रयास करते समय हेमलता के माथे पर चोट लग गई। हेमलता जेस जोनासेन का कैच पकड़ने में नाकाम रहीं। हेमलता ने ना केवल एक आसान सा कैच टपकाया बल्कि खुद को चोटिल भी कर लिया जिसके बाद फिजियो द्वारा उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया।

सयाली सतघरे कौन हैं?

हेमलता चोटिल होने के बाद शेष मैच से बाहर हो गईं, 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सयाली को उनके कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में मंजूरी दी गई।

प्राग मास्टर्स शतरंज

प्रज्ञानन्दा नें विदित को हराया , नवारा से जीती बाज़ी हारे गुकेश

प्राग , चेक गणराज्य , एजेंसी। प्राग मास्टर्स शतरंज के पांचवें दिन भारत के ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्दा नें टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और यह जीत उन्हे मिली हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ। सफ़ेद मोहरो से खेल रहे प्रज्ञानन्दा और विदित के बीच इंग्लिश ओपनिंग में खेली गयी बाजी लगभग बराबर पर

चल रही थी पर अंत समय में अपने प्यादो के शानदार खेल से प्रज्ञानन्दा नें 52 चालों में जीत दर्ज की। वहीं भारत के डी गुकेश को चेक गणराज्य के डेविड नवारा के खिलाफ लगभग जीती बाजी में हार का सामना करना पड़ा । पांचवें राउंड में एक बार फिर उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक नें जीत दर्ज की और उन्होने पोलैंड के माटेस बार्तेल को मात दी और अब वह 4 अंक बनांकर एकल बढ़त पर पहुँच गए है। अपनी इस जीत के चलते अब्दुसत्तोरोव 2761 लाइव रेटिंग के साथ विश्व के नंबर 5 खिलाड़ी बन गए है। अन्य परिणामों में ईरान के परहम मघसूदलू नें रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट से और मेजबान चेक गणराज्य के थाई डाइ वान नें जर्मनी के विन्सेंट केमर से मुक़ाबला ड्रॉ खेला।

चेन्नई सुपरकिंग्स को करारा झटका

इंजर्ड होकर लगभग टूर्नामेंट से बाहर हुए कॉनवे

नई दिल्ली, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल शुरू होने से चंद हफ्ते पहले करारा झटका लगा है। खबर है कि न्यूजीलैंड के धाकड़ खिलाड़ी और विस्फोट ओपनर डेवोन कॉनवे मई तक एक्शन से बाहर रहेंगे। पिछले फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए कॉनवे इस हफ्ते अपने बाएं अंगूठे की सर्जरी करवाने वाले हैं, जिससे वह कम से कम आठ हफ्ते तक बल्ला नहीं उठा पाएंगे। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के दौरान चोट लगी थी, जिसके चलते वह पहले टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे। डॉक्टर्स की सलाह के बाद उन्होंने सर्जरी करवाने का फैसला लिया है। सर्जरी के बाद उन्हें रिकवर होने में कम से कम आठ हफ्ते का समय लगेगा। ऐसे में कॉनवे आधे से ज्यादा टूर्नामेंट में टीम के साथ नहीं रहेंगे। आईपीएल की शुरुआत 22 मार्च से होने वाली है, जिसके मई के अंत तक चलने की उम्मीद है।

कॉनवे का बाहर होना कितना घातक?

डेवोन कॉनवे के बाहर होने से चेन्नई सुपरकिंग्स को प्लेइंग इलेवन में भी बदलाव करने होंगे, क्योंकि यह कीवी ओपनर टीम का मजबूत प्लेयर था, जो ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर धांसू शुरुआत दिलाता था। 2022 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत करने वाले कॉनवे ने पहले सीजन में सात मैच खेलकर 42 की औसत से 252 रन बनाए थे, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। 2023 के सीजन में टीम के लिए सभी 16 मैच खेलते हुए उन्होंने छह अर्धशतक जमाया था। 92 सर्वोच्च स्कोर और 672 रन के साथ उनका स्ट्राइक रेट बढ़कर लगभग 52 पहुंच चुका था।

इस बीच डेवोन कॉनवे के इंजर्ड होने के बाद उनकी नेशनल टीम ने हेनरी निकोल्स को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बतौर रिप्लेसमेंट इस्तेमाल किया है, जिससे नील वैगनर का विदाई टेस्ट मैच खेलने का सपना धराशायी हो गया, वैगनर को बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया है और उन्हें कम से कम दो सप्ताह के आराम की आवश्यकता होगी।

चेन्नई सुपरकिंग्स का स्क्वॉड

एमएस धोनी (कप्तान), मोइन अली, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, मथीशा पथिराना, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मिशेल सेंटनर, सिमरजीत सिंह , निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश थीक्षाना, रचिन रवींद्र, शार्दुल ठाकुर, डेरिल मिशेल, समीर रिजवी, मुस्तफिजुर रहमान, अवनीश राव अरावली।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो कब लेंगे संन्यास?

गर्लफ्रेंड ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो जल्द संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। इसका खुलासा उनकी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने किया। उन्होंने बताया कि एक-दो सालों में वह अपने करियर को समाप्त करने का फैसला ले सकते हैं।

पिछले दो दशकों से रोनाल्डो एक ऐसा नाम बने हुए हैं जिसने फुटबॉल जगत को रोशन किया है। महान खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड रोड्रिग्ज ने पेरिस फैशन वीक में रोनाल्डो के संन्यास पर बात की।

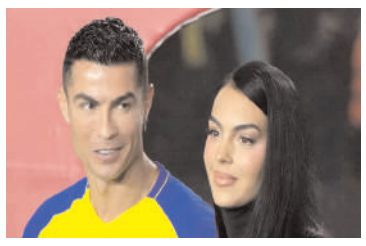

उन्होंने कहा, क्रिस्टियानो एक और साल, फिर यह खत्म हो जाएगा। शायद दो साल, मुझे नहीं पता। हाल ही में दिग्गज पर बैन लगा था। उन्हें मेसी के नाम पर गलत इशारा करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

गलत इशारे करने पर लगा बैन

25 फरवरी को अल नस्र और ल शबाब के बीच खेले गए मुकाबले में जैसे ही रोनाल्डो ने गोल किया दर्शकों ने मेसी-मेसी के नारे लगाने शुरु कर दिए। इस पर उन्होंने गलत इशारा किया जिसके बाद उनकी पूरी दुनिया में आलोचना हुई। विवाद बढ़ने के बाद अल नस्र ने पुर्तगाल के खिलाड़ी पर एक मैच का बैन लगाया। इसके अलावा उन्हें करीब पांच हजार डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा।

सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर उठाए सवाल

कहा- 23 ओवर गेंदबाजी करने से कोई...

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बीच जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर सवाल उठाए हैं। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में आराम दिया गया था। उनकी जगह आकाश दीप को डेब्यू का मौका मिला था। हालांकि इस टेस्ट में भारत को बुमराह की कमी नहीं खली और टीम इंडिया ने 5 विकेट से मुकाबला जीतकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल की। हालांकि गावस्कर का कहना है कि दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच 9 दिन का गैप था और तीसरे टेस्ट में बुमराह का 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल थका देने वाला नहीं था।

बता दें, जसप्रीत बुमराह ने राजकोट टेस्ट की पहली पारी में 15 तो दूसरी इनिंग में 8 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें वर्कलोड मैनेज करने के लिए रांची में खेले गए चौथे टेस्ट से आराम दिया गया था। हालांकि, वह सीरीज के आखिरी टेस्ट के लिए टीम के साथ फिर से जुड़ गए हैं। सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर सवाल उठाते हुए मिड डे के कॉलम में लिखा, राजकोट में तीसरे टेस्ट की पहली पारी में सिर्फ 15 ओवर और फिर दूसरी पारी में आठ ओवर फेंकने के बावजूद, संभवतः ट्रेनर की सिफारिश पर बुमराह को रांची के लिए आराम दिया गया था। उन्होंने आगे कहा, मत भूलो कि दूसरे टेस्ट और तीसरे टेस्ट मैच के बीच नौ दिन का ब्रेक था और पूरे मैच में 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल भी थका देने वाला नहीं है, तो फिर बुमराह को आराम क्यों दिया गया?

चौथे टेस्ट के बाद अंतिम टेस्ट मैच से पहले आठ दिन का और ब्रेक मिलने वाला था; बेहद फिट एथलीटों को ठीक होने और देश के लिए खेलने के लिए तैयार होने के लिए यह पर्याप्त समय है। चौथा टेस्ट भी एक महत्वपूर्ण मैच था, अगर इंग्लैंड ने उसे जीत लिया होता तो आखिरी टेस्ट निर्णायक होता। इसलिए चाहे वह एनसीए हो या बुमराह, जिसने फैसला लिया है यह भारतीय टीम के तत्काल हित में नहीं था।

सुनील गावस्कर ने इस दौरान एक बार फिर कहा कि बुमराह की गैरमौजूदगी में भारत का रांची टेस्ट जीतना बताता है कि टीम इंडिया को बड़े नामों से फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने लिखा, युवा आकाश दीप ने बुमराह की अनुपस्थिति की भरपाई करते हुए शानदार गेंदबाजी की और एक बार फिर दिखाया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बड़े नाम नहीं खेलते हैं। इससे युवा खिलाड़ी हमेशा खुश रहेंगे। जैसा कि कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था, भारत के लिए खेलने के लिए भूखे रहो और अपने देश के लिए खेलने के सम्मान और विशेषाधिकार के लिए कोई कठिनाई का सामना करने के लिए तैयार रहो।

टेस्ट में इतिहास रचने के करीब जडेजा

आर अश्विन-कपिल देव के इस खास क्लब में जगह बनाने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच 7 मार्च से धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए दोनों ही टीमें धर्मशाला पहुंच चुकी है।

फिलहाल सीरीज में टीम इंडिया ने 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है। सीरीज का आखिरी मैच टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के लिए काफी खास रहने वाला है। वह इस मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

टेस्ट में इतिहास रचने के करीब रवींद्र जडेजा

रवींद्र जडेजा टीम इंडिया के लिए अभी तक 71 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी टीम इंडिया के लिए बड़े मैच विनर साबित होते हैं। वह अपने टेस्ट करियर में 300 विकेट पूरे करने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। रवींद्र जडेजा को टेस्ट में 300 विकेट हासिल करने के लिए 8 विकेट की जरूरत है।

वह सीरीज के आखिरी मैच में इस रिकॉर्ड को अपने नाम करना चाहेंगे।

इन दिग्गज गेंदबाजों की लिस्ट में होंगे शामिल

रवींद्र जडेजा टेस्ट में भारत के लिए 300 विकेट लेने वाले 7वें गेंदबाज बनने के काफी करीब हैं। अभी तक ये कारनामा अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, कपिल देव, हरभजन सिंह, ईशांत शर्मा और जहीर खान कर चुके हैं।

बता दें रवींद्र जडेजा ने टीम इंडिया के लिए अभी तक 71 टेस्ट मैचों में 24.15 की औसत से 292 विकेट लिए हैं। इस दौरान वह 13 बार एक पारी में 5 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, उन्होंने 36.39 की औसत से 3021 रन भी बनाए हैं। जिसमें 20 अर्धशतक और 4 शतक शामिल हैं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

अनिल कुंबले - 619 टेस्ट विकेटप्
रविचंद्रन अश्विन - 507 टेस्ट विकेट
कपिल देव - 434 टेस्ट विकेट
हरभजन सिंह - 417 टेस्ट विकेट
ईशांत शर्मा - 311 टेस्ट विकेट
जहीर खान - 311 टेस्ट विकेट
रवींद्र जडेजा - 292 टेस्ट विकेट

रणदीप हुड्डा का फैंस को तोहफा

स्वतंत्र वीर सावरकर के ट्रेलर रिलीज डेट का किया एलान

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता की फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर- ए सिनेमैटिक ट्रिब्यूट टू इंडियाज अनसंग हीरो नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म 22 मार्च 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। राष्ट्रीय शहीद दिवस के खास मौके पर इस खुशखबरी की घोषणा की गई। अब फिल्म के ट्रेलर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। रणदीप हुड्डा की आगामी निर्देशित पहली फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर, 22 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वीर सावरकर भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में एक अदम्य व्यक्ति रहे। फिल्म एक सम्मोहक यात्रा की शुरुआत करती है, जो एक दूरदर्शी और तेजतर्रार स्वतंत्र वीर सावरकर की पौराणिक लेकिन उपेक्षित कहानी को जीवंत करती है।

जीवन की महत्वपूर्ण पारी की शुरूआत कर रही हैं अभिनेत्री वरलक्ष्मी

साउथ इंडियन सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस में से एक वरलक्ष्मी सरथकुमार ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अब वरलक्ष्मी जीवन की नई पारी शुरू करने को तैयार हैं। शनिवार (2 मार्च) को वरलक्ष्मी ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में दोस्त निकोलाई सचदेव के साथ सगाई कर ली।

वरलक्ष्मी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर फैंस के साथ सगाई की तस्वीरें शेयर कर इसकी जानकारी दी। तस्वीरों में कपल परिवारों के साथ सगाई का जश्न मनाता दिख रहा है।

वरलक्ष्मी ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, सगाई...हंसी-मजाक और हमेशा खुश रहने का वादा। वरलक्ष्मी रेशम की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं, जबकि निकोलाई ने सफेद कुर्ता पहना था। वरलक्ष्मी की मां राधिका सरथकुमार ने भी एक्स पर सगाई की तस्वीरों को शेयर किया। उन्होंने लिखा, वरलक्ष्मी और निकलोई को ढेर सारी खुशियां मिले। उन्होंने परिवार और दोस्तों के बीच मुंबई में सगाई की है। उन्हें आशीर्वाद मिले।

हम सभी उनके लिए बहुत खुश हैं। वरलक्ष्मी के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह इस साल रायन में नजर आएंगी। फिल्म के डायरेक्टर धनुष हैं, जो लीड एक्टर की भूमिका भी निभाएंगे। वरलक्ष्मी इस साल रिलीज हुई तेजा सज्जा स्टारर सुपरहिट फिल्म 'हनुमान' में दिखी थीं।

एक्ट्रेस राशि खन्ना ने बॉलीवुड फिल्म योद्धा में काम करने अनुभव किया साझा

यंग पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना अपनी आगामी एक्शन फिल्म योद्धा से अपने फैंस को धमाकेदार एंटरटेनमेंट परोसने के लिए पूरी तैयार हैं। एक्ट्रेस ने सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत फिल्म के बारे में बात की और फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्हें एक न्यूकमर की तरह कैसा महसूस हुआ पर खुलकर अपने विचार व्यक्त किये। इस बारे में बात करते हुए कि एक हिंदी फिल्म करने में उन्हें इतना समय क्यों लगा पर उन्होंने कहा कि वह एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहती थीं जो अच्छी हो।

वर्सेटाइल पावरहाउस ने कहा, मैं सिर्फ एक अच्छी और सेंसिबल स्क्रिप्ट का इंतज़ार कर रहीं थी। मेरे लिए किरदार से प्यार करना ज़रूरी है। फ़िल्म करने के लिए एक अच्छा पैकेज होना चाहिए और यह फिल्म एक फुल पैकेज की तरह थी।

राशी ने योद्धा के बारे में कहा, मुझे लगता है कि यह एक पैसा वसूल फिल्म है। उन्होंने कहा कि फिल्म में थ्रिल, रोमांस और एज ऑफ द सीट वाला जायका है। राशी ने बताया कि जब ट्रेलर लॉन्च किया गया था, वह बहुत नर्वस थीं। क्योंकि वह श्योर नहीं थी कि हिंदी फिल्मों में उनका स्वागत कैसे किया जाएगा। उन्होंने बताया, फ़िल्म को लेकर बहुत ज़्यादा एक्साईटमेंट और नर्वसनेस थी। योद्धा में राशि खन्ना और सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं, जिसमें दिशा पटानी भी अहम भूमिका निभा रहीं हैं। सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा निर्देशित, योद्धा 15 मार्च, 2024 को थिएट्रिकल रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

आश्चर्य : सेना का कमांडो दिल्ली पुलिस सिपाही में अनफिट करार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना में लगभग 17 साल तक कमांडो रहे एक जवान को दिल्ली पुलिस सिपाही भर्ती के मेडिकल टेस्ट में अनफिट बता दिया गया। इसके बाद जवान ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) का दरवाजा खटखटाया है। कैट ने इस पर एसएससी से जवाब मांगा गया है। यूपी के रहने वाले अमरीश कुमार अप्रैल 2005 में भारतीय सेना में कमांडो बने थे। अप्रैल 2022 में जब वह सेवानिवृत हुए तो सेना ने उन्हें शारीरिक रूप से फिट बताते हुए शेप-1 कैटेगरी में माना। वर्ष 2023 में एसएससी ने दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती निकाली। उन्होंने सेना से सेवानिवृत कैटेगरी में आवेदन किया। इसके बाद लिखित परीक्षा पास कर फिजिकल टेस्ट में भी बेहतर प्रदर्शन किया। 21 जनवरी को उन्हें मेडिकल जांच के लिए दिल्ली के तिगड़ी स्थित आईटीबीपी कैंप भेजा गया। 23 जनवरी को जांच के बाद फिर 25 जनवरी को फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में भेज दिया गया। यहां जांच के बाद बताया गया कि उसके एक पैर की सतही नसें दिख रही हैं। इसके कारण उन्हें मेडिकल अनफिट करार दे दिया गया। इसके खिलाफ अमरीश ने कैट में याचिका दायर की। जवान अमरीश की ओर से पेश हुए वकील अनिल सिंगल ने याचिका में अपनी दलील देते हुए कहा कि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि नसें दिखने से किस तरह सिपाही का कार्य प्रभावित हो सकता है। अगर इससे पुलिसकर्मी की ड्यूटी प्रभावित नहीं होती तो उनके मुवक्किल को अनफिट घोषित करना गलत है। वकील की तरफ से कैट को यह भी बताया गया कि अमरीश कमांडो थे। सेवानिवृत होते समय भी उन्हें दिए गए दस्तावेज में उन्हें पूरी तरह फिट करार दिया गया है। सरकारी अस्पताल में मेडिकल कराने की जगह उनकी जांच एक निजी अस्पताल में करवाई गई है। कैट ने इस पूरे मामले की सुनवाई करने के बाद एसएससी से जवाब मांगा है।

दिल्ली में इस सप्ताह जारी हो सकती है कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा के साथ ही कांग्रेस पर भी अपने प्रत्याशी घोषित करने का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह कांग्रेस भी उम्मीदवारों के नाम घोषित करेगी। राजधानी दिल्ली की राजनीति में एक-दूसरे की धुर विरोधी रही आप और कांग्रेस पार्टी इस बार साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। आप अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है, जबकि भाजपा ने भी पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। बाकी दो सीटों पर भी दो-तीन दिन के अंदर उम्मीदवार के नाम की घोषणा होने की संभावना है। कांग्रेस पार्टी पर भी तीन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इन तीनों सीटों पर कांग्रेस पार्टी ने तीन-तीन नामों का चुनाव कर लिया है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, चांदनी चौक लोकसभा सीट पर जेपी अग्रवाल, अलका लांबा या हरी शंकर गुप्ता में से किसी एक को प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली को उतारा जा सकता है। उनके अलावा इस सीट से संदीप दीक्षित और मतीन अहमद को भी दावेदार माना जा रहा है, जबकि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट से उदित राज को टिकट मिलने की संभावना है। हालांकि, इस सीट से कृष्णा तीरथ और राजकुमार चौहान को भी लोकसभा टिकट का उम्मीदवार माना जा रहा है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और हाई कमान की ओर से कभी भी इसकी घोषणा की जा सकती है। बता दें कि, दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच 4-3 के फॉर्मूले पर सीटों का बंटवारा हुआ है।

दिल्ली में जारी रहेगी बादलों की आवाजाही, फिर से बदलेगा मौसम

नईदिल्ली, एजेंसी। पहाड़ी इलाकों से आने वाली हवा के चलते राजधानी दिल्ली में फिलहाल सुबह-शाम की ठंड बनी रहेगी। सप्ताहभर दिल्ली का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे रहने की संभावना है। इस बीच, रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहा।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में शनिवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई थी। इसके चलते हवा में नमी रही। जबकि, अगले तीन-चार दिनों के दौरान हवा की गति मुख्य तौर पर उत्तरी पश्चिमी रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी हुई है। दिल्ली की ओर आने वाली हवा इन बर्फीले इलाकों की ठंडक भी अपने साथ ला रही है। इसके चलते अभी बहुत तेजी से गर्मी बढ़ने के आसार नहीं है। अगले तीन दिनों तक बादलों की आवाजाही रहेगी = दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में रविवार दिन का अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है। यहां का आर्द्रता का स्तर 100 से 48 फीसदी तक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। अगले तीन दिनों के बीच हल्के बादलों की आवाजाही रह सकती है। इसके बाद आसमान साफ रहेगा और दिन भर धूप निकली रहेगी।

पिछले दिन हुई बारिश और तेज हवाओं के चलते प्रदूषण के स्तर में खासा सुधार हुआ है। सुबह के समय दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 के अंक से नीचे यानी संतोषजनक श्रेणी में भी पहुंच गया। हालांकि, बाद में हवा की रफ्तार थमी तो औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 126 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के दौरान भी हवा की गुणवत्ता इसी के आसपास रहने की संभावना है। बता दें कि, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

जनरल का टिकट ले एसी कोच में चढ़ गई, टीटीई ने महिला को झेलम एक्सप्रेस से बाहर फेंका

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे फरीदाबाद में खौफनाक वारदात हुई है। यहां झेलम एक्सप्रेस के टीटीई पर एक महिला को ट्रेन से बाहर फेंकने का आरोप लगा है। इस घटना में महिला काफी घायल हो गई हैं। महिला को शरीर पर गंभीर चोट आई है। महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह महिला सामान्य श्रेणी का टिकट लेकर झेलम एक्सप्रेस के एसी कोच में चढ़ी थीं। जिसके बाद टीटीई को इतना गुस्सा आया को उसने महिला को ट्रेन से धक्का दे दिया। महिला ट्रैन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गई थीं। पुलिसकर्मियों की नजर महिला पर पड़ी जिसके बाद उन्होंने चेन पुलिंग कर महिला को बड़ी मुश्किल से बचाया। महिला को सिर, हाथ और पैर समेत शरीर कमें अन्य जगहों पर चोटें आई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि बुरी तरह से घायल हुई यह महिला 29 फरवरी को फरीदाबाद से ही झेलम एक्सप्रेस में चढ़ी थीं। महिला का कहना है कि उन्हें झांसी में एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाना था। जब वो स्टेशन पहुंची तब ट्रेन खुल चुकी थी और ट्रेन की जनरल बोगी आगे निकल चुकी थी। महिला किसी तरह एसी कोच में चढ़ने में सफल हो गईं। एसी कोच में टीटीआई ने महिला से जब टिकट मांगा तब उन्होंने टीटीआई को सारी बातें बताई। महिला का कहना है कि वो जुर्माना देने के लिए भी तैयार थीं लेकिन अचानक गुस्साए टीटीई ने महिला को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। महिला प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंस गई थीं। महिला को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि महिला की शिकायत पर टीटीई पर केस दर्ज कर लिया गया है।

बांसुरी स्वराज ने ललित मोदी का किया था बचाव

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा-2024 के लिए 195 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया। इस लिस्ट में भाजपा ने नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज को अपना उम्मीदवार बनाया है। बांसुरी स्वराज दिवंगत केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी हैं। अब आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज पर हमला बोला है। आप की दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने बांसुरी पर हमला बोला और कहा कि उन्होंने देश के साथ फ्रॉड करने वाले ललित मोदी का केस लड़ा था। आइये जानते हैं आतिशी ने बांसुरी स्वराज पर और क्या-क्या कहा है। नई दिल्ली से भाजपा की युवा प्रत्याशी बांसुरी पर आतिशी ने तीखा हमला बोला है। आतिशी ने भाजपा पर देश विरोधियों का बचाव करने वाले को लोकसभा चुनाव का टिकट देने की बात कही है। आतिशी ने कहा कि बीजेपी ने नई दिल्ली से एक ऐसे उम्मीदवार को टिकट दिया है जो बार-बार देश हित के खिलाफ कोर्ट में खड़ी रही, देश के विरोधियों को डिफेंड करती रही हैं। इसके साथ ही आतिशी ने आगे कहा कि बांसुरी स्वराज ने इस देश से लाखों करोड़ों रुपए के गबन करके फरार हुए ललित मोदी को 2012 से 2014 तक लगातार निचली अदालत से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक अदालतों में डिफेंड किया है।

दुष्कर्म मामले में अमेरिकी पत्रकार ने भारत को बताया असुरक्षित

नई दिल्ली। झारखंड के दुमका में एक स्पेनिश महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरमाहाट मैदान में शुक्रवार की रात स्पेन की महिला से सात अज्ञात लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के बयान पर महिला थाना पुलिस ने दो मार्च को सभी सात अज्ञात के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है।

इस घटना के सामने आने के बाद अमेरिकी पत्रकार डेविड जोसेफ वोलोड्ज़को ने भारत को लेकर चेतावनी दी कि महिला यात्री भारत की यात्रा अकेले न करे। जिसके बाद भारत की राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने पत्रकार डेविड जोसेफ वोलोड्ज़को के पोस्ट की कड़ी निंदा की है। अमेरिकी पत्रकार डेविड जोसेफ वोलोड्ज़को ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर इस घटना को लेकर पोस्ट किया कि कई वर्षों तक भारत में रहने के दौरान मैंने यौन आक्रामकता का जो स्तर देखा, वह कहीं और नहीं देखा।

दिल्ली की 4 लोकसभा सीटों पर भाजपा को क्यों बदलना पड़ा चेहरा, 2 बड़ी वजहें

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में 195 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया। इसमें दिल्ली की 5 सीटों पर भी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया। बीजेपी ने इन 5 में से केवल एक सांसद को रिपीट किया बाकी चार वर्तमान सांसदों का टिकट काट दिया। अभी दिल्ली की दो सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान होना बाकी है। ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी इसमें भी एक सांसद का टिकट काटकर किसी नए चेहरे को मैदान में उतारेगी। आइये जानते हैं कि वो कौन सी वजहें रहीं जो बीजेपी ने वर्तमान सासंदों का टिकट काट दिया।

दिल्ली की चार सीटों पर नए चेहरों के नाम के ऐलान के कई कारण माने जा रहे हैं। हालांकि, इनमें से पश्चिमी दिल्ली से वर्तमान सांसद परवेश सिंह वर्मा और दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधूड़ी का टिकट काट दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा ने इन दोनों सांसदों का टिकट इनके बड़बोलेपन को लेकर संदेश देते हुए काटा है। बता दें कि परवेश सिंह वर्मा अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, जबकि रमेश बिधूड़ी पिछले दिनों तत्कालीन बसपा सांसद दानिश अली को लेकर दिए बयान के कारण चर्चा में आए थे। इन दोनों की जगह पर भाजपा ने पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिणी दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी को अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। 2019 में हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा ने दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में बीजेपी को 56 प्रतिशत, कांग्रेस को 22.5 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले थे। हालांकि, कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। इस बार दोनों पार्टियां गठबंधन बनाकर लोकसभा चुनाव के मैदान में हैं। ऐसे में 100 प्रतिशत सीटों पर जीत का स्ट्राइक रेट बनाकर रखना भाजपा के लिए चुनौती हो सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि इसे देखते हुए भाजपा ने अपने चार वर्तमान सांसदों का टिकट काटकर नए चेहरों को मौका दिया है। बताया जा रहा है कि ये नए चेहरे बीजेपी के पॉलिटिकल कैल्कुलेशन की वजह से मैदान में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने बीजेपी के लिए 370 सीटों का लक्ष्य रखा है। ऐसे में लोकसभा की हर सीट अहम है। इसलिए, भाजपा ज्यादातर सीटों पर साफ-सुथरी छवि और नए नामों के साथ जाना चाहती है।

इजरायल के मंत्रिमंडल में खींचतान, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मंत्री को लगाई फटकार

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के एक शीर्ष कैबिनेट मंत्री के अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए रविवार को वाशिंगटन रवाना होने पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें फटकार लगाई। एक इजरायली अधिकारी ने यह जानकारी दी। हमास के साथ युद्ध के लगभग पांच महीने बाद इजरायल की युद्धकालीन सरकार में यह बढ़ती खींचतान के संकेत है । नेतन्याहू के मध्यमार्गी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गेंट्ज पिछले साल सात अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के हमले के बाद युद्ध के शुरुआती दिनों में नेतन्याहू की सरकार में शामिल हुए थे। उनकी अमेरिकी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच गाजा में फलस्तीनी लोगों की पीड़ा को कम करने के तरीके पर गहरी असहमति है। मिस्र में गाजा संघर्ष विराम के लिए बातचीत चल रही थी, लेकिन इजरायली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि इजरायल ने कोई प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा क्योंकि नेतन्याहू को दो सवालों पर हमास से जवाब नहीं मिला है। इजरायली मीडिया के अनुसार, जीवित बंधकों और हमास द्वारा प्रत्येक बंधक के बदले में मांगे जाने वाले फलस्तीनी कैदियों की संख्या की एक सूची है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों को उम्मीद है कि 10 मार्च के आसपास मुस्लिमों का पवित्र महीना रमजान शुरू होने से पहले कोई समझौता हो जाएगा।

पिछले सप्ताह ट्रकों से खाना लेने की कोशिश कर रहे दर्जनों फलस्तीनियों के मारे जाने के बाद शनिवार को अमेरिका ने गाजा में हवाई मार्ग से राहत सामग्री गिराई। नेतन्याहू के कट्टरपंथियों के बाहुल्य वाले मंत्रिमंडल के कारण क्षेत्र में अमेरिकी प्राथमिकताएं तेजी से बाधित हो रही हैं। नेतन्याहू सरकार में कट्टर राष्ट्रवादियों का प्रभुत्व है। गेंट्ज की अधिक उदार पार्टी कभी-कभी नेतन्याहू के कट्टर सहयोगियों के मद्देनजर संतुलन बनाने का कार्य करती है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के एक अधिकारी ने कहा कि गेंट्ज की यात्रा इजरायली प्रधानमंत्री की अनुमति के बिना हो रही है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ने यात्रा के बारे में गेंट्ज के साथ कठोर शब्दों में बातचीत की और उन्हें बताया कि देश में सिर्फ एक प्रधानमंत्री है। एक इजरायली अधिकारी ने कहा कि गेंट्ज ने नेतन्याहू को अमेरिका की यात्रा करने और उनके साथ संदेश साझा करने के अपने इरादे के बारे में सूचित किया था। उद्देश्य वाशिंगटन के साथ संबंधों को मजबूत करना, इजरायल के जमीनी अभियान के लिए समर्थन मांगना और गाजा में बंधक बनाकर रखे गए इजरायलियों की रिहाई पर जोर देना है। गेंट्ज की नेशनल यूनिटी पार्टी के अनुसार वह अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात करेंगे।

गाजा युद्धविराम वार्ता के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल काहिरा में मध्यस्थों के साथ शामिल

काहिरा, एजेंसी। हमास का एक प्रतिनिधिमंडल गाजा में युद्धविराम पर बातचीत के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा में कतर और अमेरिका के मध्यस्थों के साथ शामिल हो गया है। इजराइल ने रमज़ान प्रारंभ होने पर छह सप्ताह के युद्ध विराम का संकेत दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने रविवार को कहा कि छह सप्ताह के युद्ध विराम के दौरान इजराइली बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई होगी। बीबीसी ने हमास के हवाले से कहा है कि अगले 24 से 48 घंटों के भीतर युद्ध विराम पर समझौता हो सकता है। 29 फरवरी को गाजा शहर के बाहर राहत सामग्री वितरण के दौरान 100 से अधिक फिलिस्तीनी नागिरकों के मारे जाने के बाद युद्ध विराम के लिए इजराइल पर दबाव बढ़ गया है। हमास ने इज़राइली सेना पर नागरिकों पर गोली चलाने का आरोप लगाया था, हालांकि इजराइल ने इससे इनकार किया है। रविवार को इज़राइली रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा, हमारी प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि आईडीएफ की ओर से नागरिकों पर गोलीबारी नहीं की गई। हगारी ने कहा, भगदड़ के परिणामस्वरूप अधिकांश फ़िलिस्तीनी मारे गए या घायल हुए। उन्होंने कहा, घटना की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए चेतावनी के तौर पर इजराइली सैनिकों ने गोलीबारी की, और जब सेना पीछे हटने लगी, तो भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। हगारी ने कहा कि इसके बाद सैनिकों ने सीमित रूप से जवाबी कार्रवाई की। आईडीएफ के अनुसार, स्थानीय लोगों ने अल-रशीद स्ट्रीट पर ट्रकों को घेर लिया और सामानों को लूट लिया। इस दौरान कई फिलिस्तीनी ट्रकों के नीचे आकर कुचल गए।

अब मुझे मां कौन कहेगा?, गाजा में स्ट्राइक में महिला ने गंवाए अपने जुड़वा बच्चे; खून से सना नवजात का चेहरा

गाजा , एजेंसी। इजरायल-हमास की जंग ने कई मासूमों को मौत के घाट उतार दिया। न जाने कितने ही परिवार अपनों से दूर हो गए। ऐसा ही कुछ रानिया अबू अंजा के साथ हुआ है। रविवार को लोग गाजा में इजरायली हवाई हमले से तबाह हुए घरों के नीचे जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान अबू की नजर अपने नवजात जुड़वां बच्चों पर पड़ी जो अब जिंदा नहीं रहे।

फलिस्तीनी महिला ने कहा कि वह मां बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए प्रजनन ट्रीटमेंट के कई दौर से गुजरी थी, लेकिन गाजा पट्टी में नरसंहार ने उससे उसका सबकुछ छीन लिया। रविवार को आंसुओं के साथ अपने बेजान बच्चों को गोद में

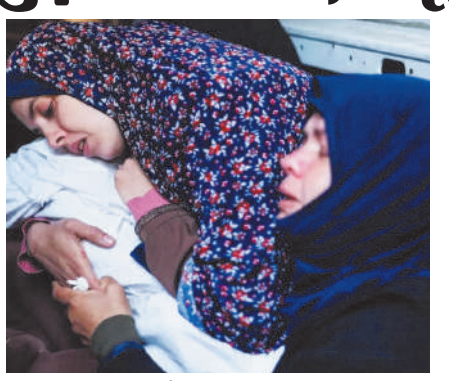

लिए अबू चिल्लाते और रोते हुए बस यही कह रही थी कि अब से मुझे मां कौन कहेगा? मुझे मां कौन कहेगा? अबू के एक बच्चे का चेहार पूरा खून से सना हुआ था। हमास द्वारा संचालित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी गाजा शहर राफा में रात भर हुए हमले में मारे गए 14 लोगों में से यह दोनों जुड़वा बच्चे थे। दोनों का नाम विसम और नईम था जो अभी 6 महीने के भी नहीं हुए थे। इन मौतों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया गया है। मरने वालों में सभी अबू अंजा परिवार के सदस्य थे। वे 30,410 मौतों में शामिल हो गए, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। मंत्रालय द्वारा रिपोर्ट की गई जब से इजरायल ने पिछले अक्टूबर में हमास को खत्म करने के लिए सैन्य अभियान शुरू किया था। जब रानिया अबू अंजा अपने बेटे और बेटी को दफनाने के लिए इंतजार कर रही थी, तब घर के मलबे पर लोग उन लोगों के नाम चिल्ला रहे थे जिनके बारे में उन्हें उम्मीद थी कि वे बच गए होंगे यासिर! अहमद! सज्जार!

इजरायल का कहना है कि उसके अभियान का उद्देश्य हमास लड़ाकों को खत्म करना है। इजरायली सेना ने जिस घर पर कार्रवाई की वहां केवल नागरिक रह रहे थे। लोगों ने दावा किया कि घर में कोई सैन्य उपस्थिति नहीं थी। बता दें कि लगभग 15 लाख फलिस्तीनियों ने रफा में शरण मांगी है। मध्यस्थ एक युद्धविराम पर ताला लगाने की कोशिश कर रहे हैं जो कम से कम अस्थायी रूप से मुसलमानों के पवित्र महीने रमजान से पहले लड़ाई को रोक देगा, जो चंद्र कैलेंडर के आधार पर 10 या 11 मार्च को शुरू होता है।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका का वार्षिक सैन्य अभ्यास शुरू

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों को ध्यान में रखते हुए दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी समुद्री सीमा के पास उत्तर कोरिया की गोलाबारी और मिसाइल प्रक्षेपण से बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों ने 11 दिनों तक चलने वाला वार्षिक फ्रीडम शील्ड अभ्यास शुरू किया। तनाव कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को रद्द करने के बाद यह पहला सैन्य अभ्यास है। उत्तर कोरिया लंबे समय से मित्र राष्ट्रों के सैन्य अभ्यासों को उसके खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करार देते हुए उसकी निंदा करता रहा है। ऐसे अभ्यासों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के रूप मे वह अक्सर मिसाइल प्रक्षेपण करता है। हालांकि सियोल और वाशिंगटन ने कहा है कि यह अभ्यास पूरी तरह से रक्षात्मक है। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाओं ने कहा कि नवीनतम अभ्यास का उद्देश्य उनकी संयुक्त रक्षा स्थिति को मजबूत करना है। पिछले हफ्ते ज्वॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग-जून ने कहा था कि अभ्यास के दौरान उत्तर कोरिया की क्रूज मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें रोकने का प्रशिक्षण भी होगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।